www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 198 || अम्बेडकरनगर
शनिवार
10 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:09
सूर्यास्तः 06:06
अधिकतमः 31°00
न्यूनतमः 22°00


पेज 07

विशेष समाचार हिमालय की प्रदूषण-मुक्ति भी ... >> पेज 04
'पति की हत्या की, मुझे ... >> पेज 06
'दूसरों की सुनेंगे...

योगी आदित्यनाथ सरकार ने भर्ती नियमों में किया अहम बदलाव

जीएसटी से पहले के कर बकायों पर ब्याज और अर्थदंड होगा माफ

फैसला

- अग्निवीरों को 20% आरक्षण, बिना परीक्षा जॉइनिंग मिलेगी
- प्रदेश के व्यापारी तीन महीने तक उठा सकेंगे इस योजना का लाभ
- मूल धन जमा करने के बाद ही मिलेगा योजना का लाभ

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । यूपी की योगी कैबिनेट में शुक्रवार को नोएडा के जेवर एयरपोर्ट का नाम पीएम मोदी के नाम पर रखने के साथ ही कुल 39 फैसलों पर मुहर लगा दी। इसमें होली-दिवाली पर मुफ्त सिलेंडर और अग्निवीरों को प्रदेश के चार विभागों में नियुक्ति में वेटेज देने का फैसला किया गया है। धान खरीद की तारीखों पर भी मुहर लगाने के साथ मक्का की एमएसपी घोषित कर दी गई है। जेवर का नाम पीएम मोदी के नाम पर रखने का ऐलान खुद सीएम योगी ने किया। इसके बाद विभागीय अधिकारियों ने एक-एक कर अपने विभागों से संबंधित प्रस्तावों की जानकारी दी। पहली बार योगी कैबिनेट ने इतनी बड़ी संख्या में एक साथ प्रस्तावों को हरी झंडी दी है। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि भारत सरकार ने अग्निवीरों की भर्ती की थी। इनकी भर्ती के लिए नियमावली में संशोधन किया गया है।

>> (शेष पेज 06 पर)

39 प्रस्तावों को योगी आदित्यनाथ कैबिनेट ने किया पास

पिछले साल से तीन लाख टन ज्यादा धान की खरीद

खाद्य रसद विभाग मंत्री मनोज पांडेय ने बताया कि धान खरीद पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 15 अक्टूबर से 15 फरवरी 2027 तक और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 1 नवंबर से 28 फरवरी तक होगी। 65 लाख टन धान खरीद का लक्ष्य रखा गया है। पिछले साल 62 लाख टन धान खरीद की गई थी। इस बार मक्का का खरीद मूल्य पिछले साल से दस रुपए ज्यादा 2410 रुपए होगा। इसके साथ ही बताया कि धान की खरीद के लिए बोरों की खरीद भी हो गई है।

पुलिस, वन, कारागार और परिवहन विभाग की भर्तियों में मिलेगा लाभ

अधिकतम आयु में तीन वर्ष की छूट, नहीं होगी लिखित व शारीरिक परीक्षा

एडीओ पद पर पांच वर्ष की सेवा के बाद बन सकेंगे संयुक्त बीडीओ

सिटी परिवहन के लिए 1725 नई इलेक्ट्रिक बसों की खरीद

ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री अरविन्द कुमार शर्मा ने बताया कि नगरीय परिवहन को बेहतर बनाने के लिए 18 नगर निगम क्षेत्र में 1725 नई इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जाएगा। परिवहन विभाग ने बस खरीद के लिए नीति बनाई है टेंडर में बसें एल वन आने वाले से 50 फीसदी बसे खरीदी जाएंगी। शेष बसें यूपी में बस निर्माण करने वाली कंपनी से खरीदी जाएगी।



होली-दिवाली पर मुफ्त सिलेंडर मिलेगा

मनोज पांडेय ने बताया कि होली-दिवाली पर मुफ्त सिलेंडर पर भी कैबिनेट ने मुहर लगाई है। कहा कि एक रिपोर्ट में बताया गया है कि सिलेंडर पर खाना बनाने से ग्रामीण इलाकों में आंखों की खराबी में करीब 60 प्रतिशत की कमी आई है। यह लकड़ी और धुंए की जगह सिलेंडर पर खाना बनाने से ही संभव हुआ है। इसके लिए 2142 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। कहा कि समय से लाभार्थियों को सिलेंडर पहुंचाया जाएगा।



तस्वीर 28 मार्च की है। जब पीएम मोदी ने एयरपोर्ट का उद्घाटन किया था।

"कैबिनेट बैठक के बाद परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि अग्निवीर योजना के तहत वर्ष 2022 में भर्ती प्रक्रिया शुरू हुई थी। इसे ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार ने पूर्व अग्निवीरों की नियुक्ति से संबंधित नियमावली में संशोधन किया है। इसका उद्देश्य सैन्य सेवा पूरी कर चुके युवाओं को प्रदेश की सरकारी सेवाओं में नियुक्ति के अवसर उपलब्ध कराना है।



■ पीएम मोदी के नाम से जाना जाएगा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट

कैबिनेट से पास प्रस्ताव

- उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास प्राधिकरणों हेतु मॉडल भवन विनियम, 2026 के क्रियान्वयन।
- खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के अन्तर्गत धान क्रय नीति का निर्धारण।
- उत्तर प्रदेश स्टार्टअप क्रय योजना-2026 के सम्बन्ध में।
- उत्तर प्रदेश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन की स्थापना, क्रियान्वयन एवं संचालन के सम्बन्ध में।
- प्रदेश में कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं आंगनबाड़ी सहायिकाओं को एक अतिरिक्त साड़ी उपलब्ध कराये जाने के संबंध में।
- जनपद मदोही का नाम परिवर्तित कर संत रविदासनगर मदोही किये जाने के संबंध में।
- जनपद मैनपुरी में शिकोहाबाद मोगाँव राज्य मार्ग संख्या-84 चार लेन में चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य के निर्माण की पुनरीक्षित प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।
- "उत्तर प्रदेश ब्याज माफी योजना-2026" लागू किये जाने के सम्बन्ध में।



लखनऊ में इंटीग्रेटेड बस टर्मिनल

लखनऊ में इंटीग्रेटेड बस टर्मिनल बनाया जाएगा। लखनऊ के वृंदावन विहार योजना में यह बनेगा। ओमेक्स लिमिटेड के साथ पीपीपी मॉडल पर बस टर्मिनल बनाया जाएगा। 265 करोड़ रुपए लागत आएगी। वाणिज्यिक क्षेत्र को 90 साल की लीज और बस टर्मिनल 30 साल की लीज पर दिया जाएगा।

'दिमागी नक्सलियों की जड़ें उखाड़ फेंकेंगे'

सीएम शुभेंदु ने छात्रसंघ चुनाव कराने का किया एलान

संकेत

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता । बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने अगले साल राज्य के कालेजों और विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव कराने के संकेत दिए हैं। शुक्रवार को आरजी कर मेडिकल कालेज व अस्पताल में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के राष्ट्रीय चिकित्सक सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल में राज्य के शिक्षण संस्थानों में छात्रसंघ चुनाव नहीं कराए गए। शुभेंदु ने जोर दिया कि छात्रसंघ चुनाव होने चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रसंघ चुनाव के दौरान राज्य के सभी कालेजों और विश्वविद्यालयों में वंदे मातरम और एबीवीपी की गूंज सुनाई देगी। मुख्यमंत्री ने इस दौरान जादवपुर विश्वविद्यालय के अति वामपंथी छात्रों पर भी जोरदार निशाना साधा।

>> (शेष पेज 06 पर)



■ जादवपुर विश्वविद्यालय के वामपंथी छात्रों पर जमकर साधा निशाना।

मक्खी मारने के लिए हथौड़ा न चलाएं : सीजेआई

सीजेआई बोले मेट्रो पूरी तरह बंद नहीं कर सकते

फटकार

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । कॉकरोच जनता पार्टी के शनिवार को होने वाले प्रदर्शन को लेकर ज्यादा सख्ती पर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को फटकार लगाई। CJI सूर्यकांत ने कहा- आपको कुछ चीजों को रोकना ही होगा। उन्हें रोकने के लिए सिर्फ उतनी ही कार्रवाई करें जितनी जरूरी हो। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप मक्खी मारने के लिए हथौड़े का इस्तेमाल करें। इस बात का हमेशा ध्यान रखा जाना चाहिए। इसी के साथ कोर्ट ने कहा कि दिल्ली मेट्रो और ट्रेन सर्विस पूरी तरह बंद नहीं कर सकते। दरअसल CJP के कल होने वाले प्रदर्शन को देखते हुए आज रात 9 बजे से 57 मेट्रो स्टेशन बंद होने थे। वहीं नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन स्टेशन आने वाली 38 मेल और एक्सप्रेस ट्रेनें कल कैंसिल रहेंगी।

>> (शेष पेज 06 पर)



■ जम्मू-कश्मीर से दिल्ली आने वाली ट्रेन कैंसिल, पैसेंजर्स को दिक्कत

फास्ट न्यूज

सीजेपी के जंतर-मंतर प्रदर्शन में हिंसा की जांच दोबारा होगी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 20 जुलाई को राजधानी में कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा की हालात की जांच के लिए एक नई FIR दर्ज की है।

अलर्ट सतर्क

हरिद्वार, मेरठ में ओले गिरे, गाड़ियों के शीशे टूटे

भोपाल/जयपुर/पटना। उत्तराखंड के देहरादून, ऋषिकेश, नैनीताल, हल्द्वानी और रामनगर में शुक्रवार को बारिश हुई है। हरिद्वार में ओले गिरे, जिससे गाड़ियों के शीशे टूट गए। रामनगर में चलती स्कूटी और हाथ ठेले पर एक पेड़ जा गिरा, जिससे दोनों उसके नीचे दब गए। आज सुबह हेमकुंड साहिब और पिथौरागढ़ के धारचूला की व्यास घाटी के कुटी गांव में बर्फबारी हुई है। चमोली में बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग टंगड़ी-पागल नाले के पास लैंडस्लाइड के चलते बंद हो गया है। पिथौरागढ़ में भी आदि कैलाश सड़क पर मलबा आ गया। 500 से ज्यादा लोग फंसे हुए हैं।

दिल्ली में पीजी-हॉस्टल की निगरानी के लिए बनेगा वेब पोर्टल

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार राजधानी में छात्रों के PG आवासों की जानकारी जुटाने के लिए वेब पोर्टल शुरू करेगी। अगले 3 दिनों में 100 जगहों की जांच होगी। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने गुरुवार को हाई पावर्ड कमेटी (HPC) की दूसरी बैठक के बाद यह जानकारी दी।

वर्ल्डस्किल्स कॉम्पिटिशन के प्रतिभागियों से मिले पीएम मोदी

बातचीत कर अनुभव जाना 6 युवाओं ने सिल्वर मेडल जीते

मुलाकात

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित अपने आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर वर्ल्डस्किल्स प्रतियोगिता 2026 में हिस्सा लेने वाले भारतीय दल के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। चीन के शंघाई में 22 से 27 सितंबर तक हुई इस प्रतियोगिता में भारत ने 10वां स्थान हासिल किया था। भारत ने 6 सिल्वर मेडल और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 20 मेडल हासिल किए। 2024 में भारत 13वें, अब 10वें स्थान पर है। मोदी ने कहा कि युवाओं के लिए प्रैक्टिकल स्किल्स उतनी ही महत्वपूर्ण हैं, जितनी अकादमिक डिग्रियां। उन्होंने स्किल ट्रेनिंग संस्थानों को IIT और IIM के बराबर महत्व का बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि तकनीक तेजी से बदल रही है, इसलिए युवाओं को लगातार नई स्किल सीखने, अपनी क्षमताओं को बेहतर बनाने और उभरती तकनीकों के अनुरूप खुद को तैयार करने की जरूरत है।

>> (शेष पेज 06 पर)



- डिग्री के साथ हुनर भी जरूरी: पीएम
- कॉम्पिटिशन में 1,400 से अधिक प्रतियोगियों ने भाग लिया था

राष्ट्रपति से मिलने पैदल जा रहे विपक्षी सांसद, सीईसी ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा मांगेंगे

'ज्ञानेश नहीं, सरकार को बर्खास्त करना होगा'

मार्च

- जनपथ-कर्तव्य पथ से चार किमी दायरे में 24 घंटे प्रतिबंध
- दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने दूरसंचार कंपनियों को आदेश दिया

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दल मोर्चा खोले हुए हैं। पिछले तीन दिनों से सड़कों पर आ रहे विपक्षी नेता आज राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू से मिलने के लिए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, इंडिया ब्लॉक में शामिल करीब 10 पार्टियों के नेता कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में राष्ट्रपति से मिलने के लिए जाएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विपक्षी सांसद इस बैठक के दौरान राष्ट्रपति के सामने सीईसी ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग रखेंगे। इसके अलावा एसआईआर का मुद्दा भी सामने होगा।

>> (शेष पेज 06 पर)





जंतर-मंतर पर प्रदर्शन से पहले इंटरनेट बंद करने का आदेश, 4 केएम के दायरे में पाबंदी

पुलिस बैरिकेडिंग से भिड़े विपक्षी सांसद

इंडिया ब्लॉक के नेतृत्व में मार्च कर रहे विपक्षी नेताओं को विजय चौक पर रोक दिया गया है। इससे आगे केवल 10 सांसदों को जाने की इजाजत है। जिन नेताओं का राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के साथ अप्वाइंटमेंट तय है। वह आगे की तरफ जा रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, ममता बनर्जी, उमर अब्दुल्ला समेत कई अन्य नेता भी शामिल हैं।

जीत: उपचुनाव में 1.22 लाख वोटों से जीत, पुडुचेरी में एनडीए, तमिलनाडु की दोनों सीटें टीवीके जीती

नंदीग्राम में भाजपा कैंडिडेट ने सीएम शुभेंदु का रिकॉर्ड तोड़ा

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता/चेन्नई/गुवाहाटी/पुडुचेरी । प. बंगाल, तमिलनाडु, पुडुचेरी की 5 विधानसभा सीटों और असम की एक लोकसभा के उपचुनाव के नतीजे शुक्रवार को आ गए। पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर सीटें भाजपा ने जीत ली है। वहीं तमिलनाडु की दो सीटों पर TVK ने कब्जा किया।

उधर, पुडुचेरी की एक विधानसभा सीट पर एनडीए ने जीत हासिल की। वहीं, असम के नगांव लोकसभा सीट पर भाजपा आगे चल रही है। नंदीग्राम सीट पर BJP प्रत्याशी हसीरानी रथ 122753 वोटों से जीत गईं हैं। उन्हें कुल 164427 वोट मिले।हसीरानी ने इस सीट पर सीएम शुभेंदु अधिकारी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। >> (शेष पेज 06 पर)



"प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को असम, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी के उपचुनावों में बीजेपी-एनडीए को आशीर्वाद देने के लिए लोगों का आभार जताया और कहा कि यह जीत एक बार फिर दिखाती है कि लोगों का गठबंधन के सुशासन के एजेंडे से "गहरा जुड़ाव" है।

जीत के बाद हसीरानी रथ ने कहा- बंगाल में जनता ने भाजपा पर भरोसा जताया

नंदीग्राम में जीत के बाद भाजपा उम्मीदवार हसीरानी रथ ने कहा,₹मुख्यमंत्री के रूप में सिर्फ पांच महीने के कार्यकाल में उनकी सरकार ने नंदीग्राम से लेकर पहाड़ी और जंगलों वाले इलाकों तक विकास कार्य जारी रखे हैं। राज्य में कई लाख करोड़ रुपए का कर्ज होने के बावजूद सरकार राज्य के विकास के लिए काम कर रही है। जनता ने भाजपा पर भरोसा जताया है।

हासीरानी बोलीं- यह जीत शुभेंदु के मुख्यमंत्री होने का नतीजा

उपचुनाव के नतीजों पर नंदीग्राम से बीजेपी की उम्मीदवार हासीरानी रथ ने कहा, यह रिकॉर्ड जीत सुवेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री होने का नतीजा है। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के समय में हमारे कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न किया जाता था और उन्हें वोट नहीं डालने दिया जाता था, लेकिन अब ऐसा नहीं है। नंदीग्राम सबसे अशांत इलाका था, मुख्यमंत्री के कारण यहां लोकतंत्र फिर से बहाल हुआ है। इस बार चुनाव में कोई खून-खराबा नहीं हुआ; न तो बम फेंके गए और न ही गोलियां चलाई गईं।

मिस्टर मस्क भारत किसी का गुलाम नहीं : कमल हासन

कोई अरबपति देश की नीतियां तय नहीं कर सकता

कटाक्ष

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । इलॉन मस्क ने भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस स्टारलिंक को लाइसेंस नहीं मिलने पर सवाल उठाए हैं।

मस्क ने गुरुवार को X पर लिखा कि स्टारलिंक को दुनिया के 165 से ज्यादा देशों में सेवा देने की मंजूरी मिल चुकी है। कंपनी पिछले पांच साल से भारत सरकार के हर कानून और जरूरी शर्त का पालन कर रही है। इसके बावजूद उसे भारत में लाइसेंस क्यों नहीं मिला है? क्या अंबानी देश के रियल बॉस हैं?

मस्क के सवाल पर कमल हासन ने जवाब देते हुए X पर लिखा- मिस्टर मस्क, यह बात तय है कि कोई भी अरबपति किसी देश की नीति तय नहीं कर सकता—चाहे वह भारतीय हो या अमेरिकी। हम एक लोकतांत्रिक देश हैं। भारत के लोग अपनी ताकतों और कमियों पर आपस में बहस करेंगे, सवाल उठाएंगे और उन्हें खुद सुधारेंगे।

>> (शेष पेज 06 पर)



■ राहुल बोले- वेलकम इलॉन, दूसरे शख्स के मिलने तक इंतजार कीजिए

हिन्दी दैनिक
तमसा संकेत
www.tamsasanket.com
tamsasanketnews24@gmail.com
पूर्वी उत्तर प्रदेश
अम्बेडकरनगर, शनिवार 10 अक्टूबर 2026

पार्क-मंदिर में पानी घुसा, गोंडा के 8 गांव जलमग्न, लखीमपुर में 13 घर नदी में समाए

8 शहरों में ओले गिरे, लखनऊ में बाढ़



कासगंज में अचानक मौसम बदल गया। तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई और दिन में ही घना अंधेरा छा गया। बारिश के साथ ओले भी गिरे, जिससे लोगों को अचानक बदले मौसम का सामना करना पड़ा।

संकट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज। यूपी में शुक्रवार को अचानक मौसम बदल गया है। मेरठ और बरेली समेत 8 शहरों में तेज बारिश के साथ ओले गिरे। मुजफ्फरनगर में बिना बारिश के मटर के दाने के बराबर ओले गिरे। मौसम विभाग ने आज 8 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है। इधर, प्रदेश में बाढ़ मुसीबत बनी हुई है। लखनऊ में लगातार 11वें दिन गोमती नदी का जलस्तर बढ़ रहा है। VIP इलाकों की सड़कें डूब गई हैं। लेटे हनुमान और हनुमंत धाम समेत कई मंदिरों में पानी घुस गया है। रिवर फ्रंट को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है।



बिजनौर में बारिश के गिरे ओले, तेज हवा के साथ जोरदार बारिश हुई

बिजनौर में आज सुबह 11:30 बजे बारिश तेज बारिश के साथ ओले गिरे। ये ओलावृस्टि बढ़ापुर इलाके में हुई। झमाझम बारिश के साथ लोगों को गर्मी से राहत मिली। मुजफ्फरनगर शहर में फिलहाल बारिश नहीं हुई, जबकि जिले के ग्रामीण इलाकों में मौसम का मिजाज बदला नजर आया। देहात के कुछ स्थानों पर बारिश के बिना ही ओलावृष्टि हुई।

फैजुल्लागंज की गलियों में लोगों के गले तक पानी भरा है। 40 हजार से

संभल में तेज बारिश के साथ गिरे ओले, तापमान 4 डिग्री गिरा

संभल में मौसम विभाग के अलर्ट के बाद मौसम बदल गया। जिले में तेज बारिश के साथ कई इलाकों में ओले गिरे। इससे तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई और ठंडक बढ़ गई।

संभल शहर में आधे घंटे और गुन्नौर क्षेत्र में करीब एक घंटे तक बारिश हुई। इस दौरान 20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। बारिश से शहर में कई जगह जलभराव हो गया। वहीं, ओलावृष्टि से खेतों में खड़ी धान की बची हुई फसल को नुकसान पहुंचने की आशंका है। इससे किसानों की चिंता बढ़ गई है।

ज्यादा घर आधे से ज्यादा डूबे हैं। 3 लाख से ज्यादा की आबादी प्रभावित है। गोंडा में घाघरा नदी उफान पर है। 8 गांवों में पानी घुस गया है। 7 हजार से ज्यादा लोग बाढ़ में फंसे हैं। लखीमपुर खीरी में शारदा नदी कटान कर रही है। अब तक 13 घर और 4 मंदिर नदी में बह चुके हैं। बस्ती में

अमरोहा में आधे घंटे तक हुई बारिश, ओले भी गिरे

अमरोहा में शुक्रवार को मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। सुबह से ही आसमान में काले बादल छाए हुए थे। दोपहर होते-होते बारिश शुरू हो गई। बारिश के साथ ओले भी गिरे, जिससे मौसम में ठंडक घुल गई और वातावरण सुहाना हो गया। करीब आधे घंटे तक बारिश का सिलसिला जारी रहा। बुलंदशहर में शुक्रवार को मूसलाधार बारिश के साथ ओलावृष्टि होने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। अचानक बदले मौसम के कारण खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है।

मौसम का मिजाज बदलने लगा है। अक्टूबर में पहली बार शुक्रवार सुबह कोहरा छाया, जिससे ठंड का एहसास होने लगा है। सुबह तापमान 34 डिग्री सेल्सियस से गिरकर 24 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। मौसम में आए इस बदलाव से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। गोंडा जिले में एक बार फिर से घाघरा नदी का जलस्तर काफी तेज गति से बढ़ना शुरू हो गया है। रिवर फ्रंट को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है। एल्गिन ब्रिज पर जलस्तर खतरे के निशान से मात्र 64 सेंटीमीटर नीचे है। लगभग 8 गांव की 7000 की आबादी आंशिक रूप से गोंडा में बाढ़ से प्रभावित है।

फास्ट न्यूज

4 घंटे ठप रहेगी बिजली सप्लाई

गोरखपुर। गोरखपुर में रोड चौड़ीकरण और विद्युत लाइनों की शिफ्टिंग के काम के चलते शुक्रवार कई इलाकों में चार घंटे तक बिजली आपूर्ति ठप रहेगी। इस दौरान सुबह 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक विद्युत उपकेंद्र राप्तीनगर ओल्ड से जुड़े 11 केवी फेस तीन और कृष्णानगर फीडर के अंतर्गत आने वाले मोती पोखरा, शिवनगर व राम जानकी नगर प्रभावित रहेंगे।

काशी में अस्सी से राजघाट तक कचड़ा ही कचड़ा

वाराणसी । वाराणसी में गंगा का जलस्तर घटने के बाद काशी के घाटों पर सिल्ट और कीचड़ जमा हो गया है। घाटों की सीढ़ियों से लेकर संपर्क मार्गों तक मिट्टी फैलने से श्रद्धालुओं, पर्यटकों, नाविकों और दुकानदारों को परेशानी हो रही है। स्थिति को देखते हुए नगर निगम ने घाटों की सफाई का अभियान शुरू किया है। नमो घाट पर प्रस्तावित एयर शो कार्यक्रम को देखते हुए भी सफाई में तेजी लाई गई है। यहां जमीन पर जमा सिल्ट हटाने के लिए JCB लगाई गई है। साथ ही घाट परिसर को व्यवस्थित करने की तैयारी चल रही है, ताकि कार्यक्रम के दौरान लोगों को परेशानी न हो।

300 विदेशी श्रद्धालुओं ने किया ऑनलाइन पिंडदान

वाराणसी। पितृ पक्ष के दौरान इस बार काशी के गंगा घाटों से दुनिया भर के सनातन धर्मावलंबी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। मॉरीशस, इटली, इंग्लैंड, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका और थाईलैंड समेत कई देशों के 300 से अधिक श्रद्धालुओं ने वीडियो कॉल के जरिए अपने पितरों का तर्पण और पिंडदान कराया। काशी में पुरोहितों ने घाट पर बैठकर विधि-विधान से अनुष्ठान संपन्न कराया, जबकि विदेशों में बैठे श्रद्धालुओं ने ऑनलाइन संकल्प लेकर पूजा में सहभागिता की।

पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता



सूरतगंज (बाराबंकी)। शुक्रवार को बाराबंकी की नवागत पुलिस अधीक्षक रवीना त्यागी ने प्रसिद्ध धार्मिक स्थल लोधेश्वर महादेवा पहुंचकर भगवान भोलेनाथ के दर्शन किए और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से वार्ता भी की। वहीं, आगामी धार्मिक कार्यक्रमों और नवरात्रि के मद्देनजर पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बरतने पर जोर दिया। लोधेश्वर महादेवा मंदिर क्षेत्र में पहुंचकर पुलिस अधीक्षक ने धार्मिक स्थल की महत्ता के अनुरूप सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने तथा श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। नवरात्रि के दौरान मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए पुलिस प्रशासन की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। ऐसे में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, भीड़ प्रबंधन और शांति व्यवस्था को लेकर पुलिस अधीक्षक ने आगामी कार्यक्रमों को ध्यान में रखते हुए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सतर्क रहने तथा किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। धार्मिक आयोजनों के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न होने देना पुलिस प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। इस अवसर पर नवागत पुलिस अधीक्षक ने पत्रकारों से भी बातचीत की। लोधेश्वर महादेवा में उनके आगमन को लेकर क्षेत्र में चर्चा रही।

बसपा सुप्रीमो ने पीठ थपथपाई ■ माफी मांगने के बाद पहली बार साथ दिखे

आकाश ने मायावती के पैर छुए 10-सेकेंड सिर झुकाए रखा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । बसपा सुप्रीमो मायावती ने शुक्रवार को BSP के संस्थापक कांशीराम को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी। भतीजे आकाश आनंद भी उनके साथ नजर आए। उन्होंने बुआ के पैर छुए और हाथ जोड़कर 10 सेकेंड तक सिर झुकाए रखा। मायावती ने आकाश के सिर पर हाथ रखा और पीठ थपथपाकर आशीर्वाद दिया। मायावती की तरफ से माफ किए जाने और पार्टी में वापसी के बाद यह पहला मौका है, जब आकाश बुआ के साथ दिखाई दिए। मायावती ने सुबह 9 बजे बसपा के प्रदेश कार्यालय में कांशीराम की तस्वीर पर फूल चढ़ाए। इसके बाद उन्होंने



आकाश को इशारा कर श्रद्धांजलि देने के लिए कहा। आकाश आगे बढ़े और तस्वीर पर फूल चढ़ाए। उन्होंने झुककर कांशीराम को प्रणाम किया। सूत्रों के मुताबिक, मायावती ने गुरुवार रात भतीजे आकाश को खासतौर पर दिल्ली से लखनऊ बुलाया था। वहीं, उनके भाई आनंद कुमार और छोटे भतीजे ईशान आनंद दिल्ली में श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए। इसके अलावा, कांशीराम की पुण्यतिथि पर बसपा के एक लाख से ज्यादा कार्यकर्ता अंबेडकर पार्क में जुटे।

मायावती ने कहा कि कांशीराम के नक्शेकदम पर चलते हुए बसपा और बहुजन आंदोलन को परिवारवाद से मुक्त रखना उनकी प्राथमिकता है। बहुजन समाज के आत्मसम्मान और स्वाभिमान के लिए उनका संघर्ष जारी रहेगा। बसपा ने उत्तर प्रदेश में चार बार सरकार बनाई है।



■ लखनऊ में मायावती ने कांशीराम की पुण्यतिथि पर बसपा कार्यालय में फूल चढ़ाए।

कांशीराम को भारत रत्न दे केंद्र सरकार

मायावती ने केंद्र सरकार से बसपा संस्थापक कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग दोहराई। उन्होंने कहा- कांशीराम जी ने अपना जीवन सामाजिक परिवर्तन के आंदोलन को समर्पित कर दिया। उनके ऐतिहासिक योगदान और बहुजन समाज की भावनाओं का सम्मान करते हुए उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करना चाहिए। कांशीरामजी का मानना था कि बहुजन समाज को सत्ता किसी की मेहरबानी या दया से नहीं, बल्कि संविधान से मिले वोट के अधिकार की ताकत से हासिल होगी। इस अधिकार की रक्षा करना भी जरूरी है। मायावती ने कहा कि बहुजन समाज के करोड़ों लोग ही उनका असली परिवार हैं। उनका हित, कल्याण और अस्मिता उनके लिए सर्वोपरि है। कांशीराम ने उन्हें अपना उत्तराधिकारी बनाया था। वह उनके विश्वास को कभी आंच नहीं आने देंगी।

पंचायत चुनाव केस में असंतोष जताया, अब सोमवार को सुनवाई

ओबीसी कमीशन ने ऑफिस में बैठकर रिपोर्ट बनाई : इलाहाबाद हाईकोर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। यूपी में पंचायत चुनाव समय पर कराने की मांग को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में दाखिल 11 याचिकाओं पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने ओबीसी कमीशन की रिपोर्ट पर असंतोष जताया। कोर्ट ने कहा ऐसा लगता है कि कमीशन ने फील्ड में जाकर नहीं बल्कि दफ्तर में बैठकर रिपोर्ट तैयार कर दी है।

कोर्ट ने कमीशन की रिपोर्ट पर कई सवाल उठाए। करीब सवा घंटे तक सुनवाई चली। पक्षों से जवाब दाखिल करने को कहा है। अब इस मामले में सोमवार को सुनवाई होगी।

इससे पहले गुरुवार को करीब दो घंटे तक चली सुनवाई में याचिकाकर्ताओं के वकीलों ने पक्ष रखा था। अब सुनवाई में सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग की दलीलों से चुनाव की समयसीमा और तैयारियों को लेकर स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है। इस संबंध में हाईकोर्ट ने यूपी सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा था- बताएं कि पंचायत चुनाव समय पर क्यों नहीं कराए जाएंगे? इस पर सभी पक्षों ने जवाब दाखिल किया है। पंचायत चुनाव को लेकर हाईकोर्ट में दाखिल कई याचकाओं को कंपाइल कर सुनवाई चल रही है। हालांकि, कई बार सुनवाई टलती रही है। 3 अगस्त के बाद अब सुनवाई शुरू हुई है। इससे पहले 28 अप्रैल को पंचायत चुनाव का विस्तृत कार्यक्रम जारी करने की मांग में दाखिल याचिका को पहले से लंबित इम्तियाज हुसैन की याचिका के साथ संबद्ध करने का आदेश दिया था।



कोर्ट का कहना था कि राज्य निर्वाचन आयोग से यह अपेक्षा की जाती है कि चुनाव कराने का पूरा कार्यक्रम अंतिम रूप देकर अगली सुनवाई की तारीख से पहले रिकॉर्ड पर लाया जाए। हालांकि, उसके बाद से इस याचिका पर सुनवाई नहीं हो पा रही है।



8 अप्रैल को सुनवाई टली थी

इलाहाबाद हाईकोर्ट में पंचायत चुनाव को लेकर एक बार फिर नहीं हो सकी। लंच बाद मामले की सुनवाई होनी थी लेकिन अत्याधिक केसों की वजह से मामला नहीं सुना जा सका। अब सुनवाई की नई तारीख आएगी। हाईकोर्ट के जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस सिद्धार्थ नंदन की डिवीजन बेंच को मामले की सुनवाई करनी है। 17 मार्च को याचिका दाखिल होने के बाद हाईकोर्ट ने यूपी राज्य निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा था। पूछा था कि समयसीमा पर चुनाव क्यों नहीं हो सकते। 17 मार्च के बाद मामले की सुनवाई 25 मार्च को होनी थी लेकिन किन्हीं कारणों सुनवाई टल गई थी। 17 मार्च को हाईकोर्ट ने कहा था- 'पंचायत चुनाव समय सीमा के भीतर चुनाव क्यों नहीं करवाए जा रहे हैं? संवैधानिक समयसीमा के भीतर चुनाव प्रक्रिया पूरी कर पाएंगे या नहीं?' यह सवाल इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी राज्य निर्वाचन आयोग से पूछा था।

बहुजन मसीहा मान्यवर कांशीराम साहब का परिनिर्वाण दिवस

तमसा संकेत, संवाददाता



सूरतगंज (बाराबंकी)। शुक्रवार को हनुमान मंदिर चौराहा स्थित बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क में बहुजन समाज के महानायक एवं बहुजन मसीहा मान्यवर कांशीराम साहब का परिनिर्वाण दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया।इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने कांशीराम साहब के संघर्षपूर्ण जीवन, उनके विचारों और समाज के वंचित, शोषित एवं पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए किए गए कार्यों को याद किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सतेंद्र कुमार मौर्य एवं सुनील कुमार मौर्य, जिला अध्यक्ष अपनी जनता पार्टी उपस्थित रहे। इसके अलावा कमलेश कुमार महासचिव, प्रधान, मनीष कुमार, अमित कुमार नंदवंशी, रामू चौधरी, रामलाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे। इस दौरान मान्यवर कांशीराम साहब के सामाजिक एवं राजनीतिक योगदान पर चर्चा करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि कांशीराम साहब ने समाज के कमजोर और वंचित वर्गों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने तथा उन्हें सामाजिक और राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उनका संघर्ष, विचारधारा और समानता पर आधारित समाज की स्थापना का संकल्प आज भी लोगों के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने उनके आदर्शों को अपनाने, सामाजिक एकता बनाए रखने और बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान तथा समानता के सिद्धांतों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर क्षेत्र के कई गणमान्य लोग एवं कांशीराम साहब के अनुयायी उपस्थित रहे।

संवाद : देश हमेशा युवाओं का रहा है, काशी में युवा संवाद सम्मेलन में दिए जवाब

युवाओं को जेनजी-अल्फा में मत बांटिए : नितिन नवीन

तमसा संकेत, एजेंसी



वाराणसी । भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने वाराणसी दौरे के दूसरे दिन गुरुवार को महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में युवाओं से बात की। एक सवाल के दौरान Gen Z शब्द आने पर उन्होंने कहा- हमारा देश हमेशा से युवाओं का रहा है। आगे भी रहेगा। इसे अल्फा, बीटा, गामा में मत बांटिए। नितिन नवीन से कुल 12 युवाओं ने सवाल पूछा। जिसका उन्होंने एक साथ जवाब दिया।

कुछ युवा उनकी बातों से सहमत दिखे तो कुछ ने उनसे कुछ मसलों पर असहमति दिखाई। ऐसे में इस युवा संवाद में सवाल पूछने वाले और मंच पर बैठी छात्राओं से बात की। जाना कि क्या वो नितिन नवीन के जवाबों से संतुष्ट हुईं या नहीं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष से दूसरा सवाल पूछने वाली अस्मिता श्रीवास्तव भी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज की बीकॉम ऑनर्स की सेकेंड ईयर की छात्रा हैं। उन्होंने पूछा कि युवा स्टार्टअप या छोटे व्यापार शुरू कर रहे हैं, सरकार कैसे सहायता कर रही है? अस्मिता ने बताया- इस पर नितिन नवीन ने जवाब दिया कि बहुत सारे स्कीम्स ला रहे हैं। बहुत सारी चीजें सपोर्ट कर रहे हैं। आज 100 से अधिक युवाओं को वो सहयोग कर रहे हैं, जिससे बहुत सारी स्टार्टअप्स आज चल भी रही हैं। अस्मिता ने बताया- इस जवाब से मैं काफी संतुष्ट हूं।



डिजिटल क्रिएटर्स के लिए क्या प्रोग्राम ला रही यूपी सरकार

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज की बीकॉम ऑनर्स की सेकेंड ईयर की छात्रा कनक सिंह ने सबसे पहला सवाल पूछा था। कनक ने बताया- मैंने पूछा था कि आज के जो युवा हैं, वो करियर अपॉर्चुनिटीज में कंटेंट क्रिएशन और डिजिटल मीडिया को बहुत ज्यादा देख रहे हैं। इसके लिए सरकार कौन से डेडिकेटेड ट्रेनिंग प्रोग्राम ला रही है? नितिन नवीन ने कहा कि यूपी सरकार बहुत सारे ऐसे फाइनेंशियल ऐड ला रहे हैं, जिससे कि वो जो भी ऐसे लोग हैं, जो कंटेंट क्रिएशन में और उसमें रुचि दिखाते हैं, वो उसके लिए अलग-अलग तरीके के ट्रेनिंग प्रोग्राम्स भी लाएंगे। उनके लिए फाइनेंशियल ऐड लाएंगे, जिससे कि वो आगे उस चीज में अप्रोच कर सकें।

तीमारदारों को पीटने वाले डॉक्टरों पर 50 हजार जुर्माना

गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में जमकर हुई थी मारपीट

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कालेज के नेहरू अस्पताल में तीमारदारों और जूनियर डॉक्टरों के विवाद में कॉलेज प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। सड़क दुर्घटना में घायल मरीज की मौत के बाद पोस्टमार्टम कराने की मांग को लेकर मंगलवार की रात मारपीट की घटना हुई थी। घटना में शामिल 6 जूनियर डाक्टरों पर 25 से 50 हजार रुपए तक का अर्थदंड लगाया गया है। साथ ही सभी 6 जूनियर डाक्टरों को एक सप्ताह के लिए निलंबित कर दिया गया है। कालेज प्रशासन ने घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आरोपित जूनियर डॉक्टरों की एक महीने तक हर सप्ताह काउंसिलिंग कराने का भी निर्णय लिया है और उनसे लिखित रूप



में शपथ पत्र लिया है कि दोबारा इस तरह की घटनाएं नहीं होंगी। मंगलवार देर रात हुए विवाद की जांच के लिए गठित कमेटी के सामने आरोपित सभी छह जूनियर डाक्टरों को गुरुवार को बुलाया गया। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज भी देखा गया। फुटेज के आधार पर घटना में भूमिका को लेकर किसी आरोपी के लिए इन्कार करना संभव नहीं हुआ। तीन मुख्य आरोपी जूनियर डाक्टरों पर 50-50 हजार रुपये और उनका सहयोग करने वाले तीन अन्य जूनियर डाक्टरों पर 25-25 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया है। सभी ने लिखित रूप से भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति नहीं होने का आश्वासन दिया है। कालेज प्रशासन ने केवल दंडात्मक कार्रवाई तक ही मामला सीमित नहीं रखा है। आरोपी जूनियर डाक्टरों की नियमित काउंसिलिंग कराने के साथ ही नए छात्रों को भी साफ्ट स्किल और काउंसिलिंग सेशन में भेजने का निर्णय लिया गया है। इसका उद्देश्य मरीजों और तीमारदारों से संवाद तथा तनावपूर्ण परिस्थितियों को बेहतर तरीके से संभालने के लिए डाक्टरों को तैयार करना है।

रामनगर में महापरिनिर्वाण दिवस पर जुटे लोग, संविधान और सामाजिक न्याय की रक्षा का उठाया मुद्दा

कांशीराम को सच्ची श्रद्धांजलि के लिए पीडीए की सरकार जरूरी: धर्मेंद्र यादव

कार्यक्रम

बृजेंद्र वीर सिंह



तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। मान्यवर कांशीराम के महापरिनिर्वाण दिवस पर शुक्रवार को रामनगर स्थित जनता जूनियर हाईस्कूल में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के मुख्य सचेतक और आजमगढ़ के सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि मान्यवर कांशीराम को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब प्रदेश में पीडीए की सरकार बनेगी। उन्होंने संविधान और सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए पीडीए की एकजुटता पर जोर दिया। कार्यक्रम को पूर्व मंत्री एवं टांडा विधायक राममूर्ति वर्मा, एमएलसी विशाल वर्मा, सपा जिलाध्यक्ष जंग बहादुर यादव और अयोध्या के जिलाध्यक्ष जयसिंहपुर यादव समेत अन्य नेताओं ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कांशीराम के संघर्ष और बहुजन समाज को संगठित करने में उनके योगदान को याद किया। उन्होंने वंचित वर्गों को शिक्षा, सम्मान और राजनीतिक भागीदारी दिलाने के लिए उनके विचारों को आगे बढ़ाने की बात कही। कार्यक्रम के आयोजक और क्षेत्रीय विधायक त्रिभुवन दत्त ने कांशीराम को श्रद्धांजलि अर्पित की। धर्मेंद्र यादव ने आयोजन की सराहना करते हुए उनके प्रयासों की प्रशंसा की।

अंबेडकरवादी विचारधारा के प्रोफेसर लक्ष्मण यादव ने डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों और संविधान में निहित समानता के सिद्धांतों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि शिक्षा सामाजिक बदलाव का महत्वपूर्ण माध्यम है। सामाजिक भेदभाव खत्म करने और समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए संविधान के मूल्यों को मजबूत करना जरूरी है।

विधानसभा अध्यक्ष अरविंद यादव ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस दौरान महिला सभा की जिलाध्यक्ष सीमा यादव, बदमा देवी, राहुल दत्त, यशवर्धन, आशु सिंह, प्रमुख विकास यादव और पूर्व प्रमुख प्रमोद दत्त समेत बड़ी संख्या में सपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। गायक मंडली ने गीतों के माध्यम से लोगों को कांशीराम के विचारों से जोड़ने का प्रयास किया।

शिक्षा, रोजगार और सत्ता में भागीदारी का उठाया मुद्दा

धर्मेंद्र यादव ने कहा कि कांशीराम ने वंचित, शोषित और पिछड़े समाज को अधिकारों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने समाज के लोगों को सत्ता में भागीदारी का रास्ता दिखाया। उनके विचार आज भी सामाजिक समानता और राजनीतिक अधिकारों की लड़ाई में प्रासंगिक हैं।

भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए सांसद ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति और शैक्षणिक पदों पर भर्ती में पीडीए के लोगों को उचित भागीदारी नहीं मिल रही है। उन्होंने शिक्षा और रोजगार में सभी वर्गों को समान अवसर देने की जरूरत बताई। इस दौरान उन्होंने नारा दिया, 'संविधान बचाना है तो पीडीए की सरकार बनाना है।'

नैनो उर्वरकों के इस्तेमाल से किसानों को मिलेगा विकल्प, कृषि भवन में हुआ प्रशिक्षण

रिफॉर्म उत्सव के तहत सहकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों और उर्वरकों के बेहतर इस्तेमाल की जानकारी देने के लिए शुक्रवार को कृषि भवन सभागार में सहकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। रिफॉर्म उत्सव के तहत हुए कार्यक्रम में नैनो उर्वरकों, कृषि उत्पादों और फसलों को कीट व रोगों से बचाने के उपायों पर चर्चा की गई। इसमें कृषि विभाग और इफको के अधिकारियों समेत करीब 60 लोग शामिल हुए।

इफको के वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबंधक राज कुमार ने नैनो डीएपी, नैनो यूरिया, नैनो जिंक, नैनो कॉपर और सागरिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने इन कृषि उत्पादों के इस्तेमाल से जुड़े पहलुओं को समझाया।

उप कृषि निदेशक डॉ. अश्वनी कुमार सिंह ने कहा कि नैनो उर्वरकों के प्रदर्शन के माध्यम से किसानों को जागरूक किया जाए। उन्होंने किसानों तक इन उत्पादों की जानकारी पहुंचाने पर जोर दिया। जिला कृषि अधिकारी अरविंद कुमार चौधरी ने धान की पराली न जलाने की अपील की। उन्होंने किसानों को पराली के प्रबंधन के लिए इफको बायो डीकंपोजर का प्रयोग करने की सलाह दी। इफको एमसी के टीएमई उपेंद्र नाथ वर्मा ने कीटनाशकों और फफूंदनाशकों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में कृषि से जुड़ी तकनीकों और उत्पादों के इस्तेमाल पर भी चर्चा हुई। कार्यक्रम में उप कृषि निदेशक डॉ. अश्वनी कुमार सिंह, जिला कृषि अधिकारी अरविंद कुमार चौधरी, इफको अयोध्या के वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबंधक राज कुमार, वरिष्ठ क्षेत्र प्रबंधक डॉ. देवी प्रसाद, इफको बाजार प्रभारी आदित्य तिवारी, एसएफए राहुल कुमार और हॉटस्पॉट एसएफए अभय वर्मा सहित करीब 60 प्रतिभागी मौजूद रहे। डॉ. देवी प्रसाद ने कार्यक्रम का संचालन किया और धन्यवाद ज्ञापन के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ।

फास्ट न्यूज

सांप के काटने से किशोर की मौत, परिवार में पसरा मातम

अंबेडकरनगर। जहांगीरगंज थाना क्षेत्र के अनापुर गांव में गुरुवार रात सांप के काटने से 12 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। परिजन उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है। परिजनों के मुताबिक, गुरुवार रात करीब एक बजे कमलेश पुत्र शिवम ने बताया कि उसे सांप ने काट लिया है। इसकी जानकारी मिलते ही परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे।

शिक्षक एमएलसी चुनाव की घोषणा के साथ आचार संहिता लागू

अंबेडकरनगर। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही जिले में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ज्योत्स्ना बंधु ने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश की 22 सितंबर 2026 की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित विधान परिषद सदस्य ध्रुव कुमार त्रिपाठी का कार्यकाल 6 दिसंबर 2026 को समाप्त हो रहा है। रिक्त होने वाली सीट पर चुनाव कराने के लिए निर्वाचन कार्यक्रम घोषित किया गया है।

रंगोलियों के जरिए जनकल्याणकारी योजनाओं का संदेश

अंबेडकरनगर। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले के भियांव समेत विभिन्न विकासखंडों में रंगोली के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं का संदेश दिया गया। रंगोलियों में सरकारी योजनाओं, उपलब्धियों और जनहित से जुड़े संदेशों को आकर्षक ढंग से उकेरा गया। कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं और स्थानीय प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

शिक्षक निर्वाचन की तैयारियों को लेकर प्रशासन अलर्ट

बैठक कर कार्मिक और परिवहन व्यवस्था की समीक्षा

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन-2026 को स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ईशा प्रिया के निर्देश पर कलेक्ट्रेट सभागार में निर्वाचन से जुड़े प्रभारी और सहायक प्रभारी अधिकारियों की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ज्योत्स्ना बंधु ने की। बैठक में निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा की गई। अधिकारियों को सौंपे गए दायित्व समय से पूरे करने और सभी व्यवस्थाएं पहले से दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए।

बैठक में निर्वाचन से जुड़ी कार्मिक व्यवस्था, परिवहन और अन्य जरूरी तैयारियों पर चर्चा हुई। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से उनके दायित्वों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी कार्य गंभीरता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ पूरे किए जाएं। निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का भी पूरी तरह पालन सुनिश्चित करने को कहा।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ज्योत्स्ना बंधु ने निर्वाचन कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि नाम वापसी की अंतिम तिथि 9 अक्टूबर 2026 है। मतदान 23 अक्टूबर को सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक होगा। मतगणना 27 अक्टूबर को कराई जाएगी।

2027 में सपा सरकार बनाना कांशीराम साहब को सच्ची श्रद्धांजलि होगी

पुण्यतिथि पर आयोजित गोष्ठी में भाजपा सरकार पर साधा निशाना

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और अकबरपुर विधायक राम अचल राजभर ने कहा कि 2027 में सपा की सरकार बनाकर भाजपा के कुशासन से मुक्ति दिलाना ही कांशीराम साहब को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। वह शुक्रवार को अकबरपुर स्थित भानमती उत्सव वाटिका में आयोजित गोष्ठी और श्रद्धांजलि सभा को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन सपा की अकबरपुर विधानसभा इकाई की ओर से सामाजिक परिवर्तन के महानायक कांशीराम की पुण्यतिथि पर किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कांशीराम के सामाजिक परिवर्तन में योगदान को याद किया। सभा में उनके विचारों और सामाजिक समानता के उद्देश्य पर चर्चा हुई। राम अचल राजभर ने आगामी विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए सपा की सरकार बनाने की अपील की और भाजपा सरकार की नीतियों की आलोचना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष प्रवीण कुमार शर्मा ने की, जबकि संचालन जिला उपाध्यक्ष देवेंद्र भास्कर ने किया। इसमें पूर्व विधानसभा प्रत्याशी संजय राजभर, युवजन सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहम्मद सईम, बाबा साहब आंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव दर्शन भारती, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव धर्मेंद्र यादव और जिला उपाध्यक्ष प्रमोद यादव पहलवान समेत कई पदाधिकारी शामिल हुए। सभा में जिला पंचायत सदस्य अजय कुमार गौतम और सूरज अहलादे, नगर पालिका अकबरपुर के पूर्व प्रत्याशी सुरेश वर्मा और हाजी अकमल जुगनू, नगर अध्यक्ष बादशाह खान, विधानसभा उपाध्यक्ष सत्यराम पाल और मनोज सिंह सहित पार्टी के कई नेता मौजूद रहे।

महिला सभा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरिता राजभर, राष्ट्रीय महासचिव शशि यादव, पूर्व ब्लॉक प्रमुख शारदा राजभर और महिला सभा की प्रदेश सचिव अनुपम वर्मा समेत अन्य पदाधिकारियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। आयोजकों के अनुसार, सभा में सैकड़ों की संख्या में महिला और पुरुष कार्यकर्ता शामिल हुए।

तीन दिन के स्वास्थ्य शिविर में 535 श्रमिकों की जांच, मुफ्त दवाएं भी बांटीं

शहजादपुर के लेबर अड्डे पर लगा शिविर संपन्न

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। शहजादपुर स्थित लेबर अड्डे पर आयोजित तीन दिवसीय श्रमिक सम्मान स्वास्थ्य शिविर का आठ अक्टूबर को समापन हो गया। छह से आठ अक्टूबर तक चले शिविर में कुल 535 श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। चिकित्सकीय परामर्श के बाद जरूरत के अनुसार निःशुल्क दवाएं भी वितरित की गईं। शिविर में श्रमिकों के साथ राहगीरों और उद्यमियों को भी स्वास्थ्य सुविधाएं दी गईं। सहायक श्रमायुक्त संत पाल के निर्देशन में शिविर का संचालन किया गया। अंतिम दिन चिकित्सकीय दल ने 158 श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर में बलरामपुर चीनी मिल्स की अकबरपुर इकाई के चिकित्सक डॉ. दूधनाथ वर्मा और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अकबरपुर की डॉ. शिवांगी सिंह सहित स्वास्थ्यकर्मियों ने सेवाएं दीं। जरूरतमंदों को चिकित्सकीय परामर्श और दवाएं उपलब्ध कराई गईं। शिविर में श्रम विभाग की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी बताया गया। भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में पंजीयन और नवीनीकरण, ई-श्रम से जुड़ी पेंशन योजनाओं समेत अन्य विभागीय सुविधाओं की जानकारी दी गई। पात्र श्रमिकों का मौके पर पंजीयन और नवीनीकरण भी कराया गया। श्रमिकों को रोजगार के अवसरों और विभागीय सुविधाओं की जानकारी आसानी से उपलब्ध कराने के लिए उनके मोबाइल फोन में उत्तर प्रदेश डिजिटल लेबर चौक ऐप इंस्टॉल कराया गया।

जलालपुर के मालीपुर बीआरसी में जन शिक्षण केंद्र की पहल

गांव की समस्याओं से पंचायत तक अपनी बात रखें महिलाएं

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। ग्रामीण महिलाओं को नेतृत्व की भूमिका निभाने और सामुदायिक समस्याओं के समाधान के लिए संगठित करने के उद्देश्य से जलालपुर ब्लॉक के मालीपुर स्थित बीआरसी कार्यालय में एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जन शिक्षण केंद्र की ओर से ग्रामीण महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत हुए प्रशिक्षण में महिला नेतृत्व के विकास, संगठन की मजबूती और सामूहिक पैरवी की रणनीतियों पर चर्चा की गई।

प्रशिक्षण में समूह चर्चा के माध्यम से नेतृत्व की जिम्मेदारियों को समझाया गया। संगठन में एकजुटता और आपसी तालमेल का महत्व बताने के लिए 'ताने-बाने का खेल' कराया गया। इसके जरिए प्रतिभागियों ने समझा कि आपसी विश्वास, सहयोग और सामूहिक प्रयास से संगठन मजबूत होता है। प्रशिक्षण के दौरान गांवों में मौजूद समस्याओं की पहचान करने और उनके कारणों को समझने पर चर्चा हुई। प्रतिभागियों को बताया गया कि समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों और जिम्मेदार अधिकारियों के सामने अपनी बात प्रभावी ढंग से रखना जरूरी है। जन शिक्षण केंद्र की सचिव पुष्पा पाल ने कहा कि ग्रामीण महिलाओं को अपने अधिकारों और सामूहिक शक्ति को पहचानना चाहिए। उन्होंने ग्राम सभा की बैठकों में अपनी बात रखने और पंचायत स्तर पर विकास कार्यों में सक्रिय भागीदारी करने की जरूरत बताई।

संगठन की मजबूती और सामूहिक पैरवी की रणनीति पर हुई चर्चा

नेतृत्व के लिए जरूरी हैं जानकारी, साहस और जिम्मेदारी

प्रशिक्षण की शुरुआत महिलाओं की भागीदारी और रूढ़िवादी परंपराओं को तोड़ने के संदेश वाले नारे से हुई। जन शिक्षण केंद्र की कार्यकर्ता पुनीता और चांदतारा ने प्रतिभागियों का पंजीकरण कराया। 'नाम की रेल' गतिविधि के जरिए सभी प्रतिभागियों का परिचय कराया गया। कार्यक्रम समन्वयक हेमलता ने प्रशिक्षण के उद्देश्य बताए। उन्होंने कहा कि नेतृत्व का मतलब केवल किसी पद पर होना नहीं है। इसके लिए सही जानकारी, प्रशिक्षण, जिम्मेदारी और सामूहिक रूप से काम करने की क्षमता जरूरी है। उन्होंने एक अच्छे नेतृत्वकर्ता के गुणों और संगठन निर्माण में उसकी भूमिका पर भी चर्चा की।

मन की बात सुनना भी इलाज का हिस्सा नुक्कड़ नाटक से दिया संदेश

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर तनाव, अवसाद और आत्महत्या की रोकथाम पर जागरूकता

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। मानसिक परेशानी से जूझ रहे व्यक्ति की बात सुनना, उसकी भावनाओं को समझना और समय पर मदद उपलब्ध कराना जरूरी है। इसी संदेश के साथ शुक्रवार को महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज के प्रशासनिक भवन में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। एमबीबीएस, पैरामेडिकल और बीएससी नर्सिंग के छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक और रंगोली प्रतियोगिता के जरिए मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया।

इस वर्ष कार्यक्रम की थीम 'लिव्ड एक्सपीरियंसेजः हर्ड वॉयसेज, रियल चेंज' यानी 'अनुभवों की आवाज सुनी जाए, वास्तविक बदलाव लाया जाए' रही। विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से तनाव, चिंता, अवसाद और आत्महत्या की रोकथाम का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि मानसिक परेशानी से जूझ रहे लोगों की बात को गंभीरता से सुनना और उन्हें बिना किसी पूर्वाग्रह के सहयोग देना महत्वपूर्ण है। महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. मुकेश यादव ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य व्यक्ति की सोच, भावनाओं और रोजमर्रा के जीवन को प्रभावित करता है। मानसिक रूप से स्वस्थ रहने से व्यक्ति जीवन के तनावों का सामना करने और अपनी क्षमताओं का बेहतर उपयोग करने में सक्षम होता है। उन्होंने मानसिक समस्याओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने, समय पर उपचार लेने और जरूरतमंद लोगों के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने रंगोली के माध्यम से भी मानसिक स्वास्थ्य का महत्व बताया। उन्होंने संदेश दिया कि मानसिक परेशानी होने पर अपनी बात साझा करने और जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ की मदद लेने से हिचकना नहीं चाहिए।

दुकान में विवाद के बाद युवक को पेड़ से बांधा, वीडियो वायरल पुलिस ने छुड़ाया

सूचना पर पहुंची पुलिस युवक को कोतवाली ले गई

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। अकबरपुर में गुरुवार रात एक दुकान पर हुए विवाद के बाद युवक को पेड़ से बांधने का मामला सामने आया है। विद्युत कार्यालय के सामने स्थित मटन-चिकन की दुकान में घुसे युवक पर चापड़ उठाने और बाद में दुकानदार पर ईंट से हमला करने का आरोप है। विवाद के बाद आसपास जुटे लोगों ने युवक को पकड़कर पेड़ से बांध दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक को मुक्त कराया और पूछताछ के लिए कोतवाली ले गई।

घटना अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र में लकी मटन-चिकन की दुकान की है। जानकारी के मुताबिक, गुरुवार रात करीब आठ बजे आसिफ नाम का युवक दुकान के अंदर घुस गया। आरोप है कि उसने वहां रखा चापड़ उठा लिया। दुकानदार शेर अली ने इसका विरोध किया और युवक को धक्का देकर दुकान से बाहर कर दिया। आरोप है कि दुकान से बाहर निकलने के बाद युवक ने ईंट उठाकर दुकानदार पर हमला कर दिया। इसके बाद आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। लोगों ने युवक को पकड़ लिया और पास के एक पेड़ से बांध दिया। कुछ ही देर में घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गई।

युवक को पेड़ से बांधे जाने के दौरान किसी ने वीडियो बना लिया। बाद में यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। सूचना मिलने पर अकबरपुर कोतवाली से दरोगा और पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे।

निर्देश : गाटा संख्या 614-गा पर स्वामित्व और कब्जे के दावों पर दोबारा सुनवाई के निर्देश

गौहन्ना जमीन विवाद में सरकार और नगर पालिका को राहत

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। अकबरपुर के गौहन्ना में गाटा संख्या 614-गा की जमीन के स्वामित्व और कब्जे को लेकर चल रहे विवाद में जिला अदालत ने अहम आदेश दिया है। जिला जज चंद्रोदय कुमार की अदालत ने राज्य सरकार और अकबरपुर नगर पालिका की आपत्तियां खारिज करने के निचली अदालत के आदेश को निरस्त कर दिया। अब दोनों पक्षों की आपत्तियों पर नए सिरे से सुनवाई होगी। अदालत ने निचली अदालत को यथासंभव तीन माह में कार्यवाही पूरी करने का निर्देश दिया है। अंतिम निर्णय होने तक विवादित जमीन पर यथास्थिति बनाए रखने को भी कहा है। जिला जज ने सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों का उल्लेख करते हुए कहा कि डिक्री के निष्पादन की कार्यवाही में तीसरे पक्ष के स्वतंत्र अधिकार, स्वामित्व या कब्जे के दावे पर सुनवाई की जा सकती है। दावा सही है या गलत, कमजोर है या देरी से किया गया है, इसका निर्णय सुनवाई के बाद होना चाहिए। अदालत के अनुसार, केवल मूल वाद में पक्षकार नहीं होने के आधार पर किसी के दावे को सुनवाई से बाहर नहीं किया जा सकता। इसी आधार पर राज्य सरकार और नगर पालिका की आपत्तियों को फिर से विचार के लिए बहाल किया गया है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि राजस्व अभिलेख और बाद के प्रशासनिक आदेश अपने आप में जमीन के स्वामित्व का अंतिम प्रमाण नहीं होते। हालांकि, उनकी अनदेखी भी नहीं की जा सकती। विवाद के निस्तारण के लिए जमीन की वास्तविक पहचान, संबंधित पक्षों के अधिकार और कब्जे तथा दावों के आधार की जांच जरूरी है। इसके साथ ही पहले पारित राजस्व और चकबंदी संबंधी आदेशों का विवादित जमीन पर क्या प्रभाव पड़ता है, इस पर भी विचार करना होगा।

निचली अदालत का आदेश निरस्त

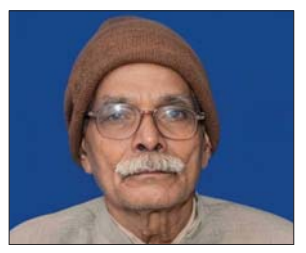
जिला जज ने तीन माह में कार्यवाही पूरी करने को कहा

डिक्री के निष्पादन के दौरान सरकार और पालिका ने जताया अधिकार

यह मामला देव नारायण व अन्य बनाम झिनकू व अन्य से संबंधित है। वर्ष 1995 में दाखिल मूल वाद में 17 दिसंबर 2021 को डिक्री पारित हुई थी। इसके निष्पादन के दौरान राज्य सरकार और अकबरपुर नगर पालिका ने गाटा संख्या 614-गा पर अपने स्वतंत्र अधिकार, स्वामित्व और कब्जे का दावा करते हुए आपत्तियां दाखिल कीं। निचली अदालत ने 28 सितंबर के आदेश में दोनों आपत्तियों को खारिज कर दिया था। उसका आधार यह था कि राज्य सरकार और नगर पालिका मूल वाद में पक्षकार नहीं थीं। इसके बाद इस आदेश को जिला अदालत में चुनौती दी गई।

शिक्षा, खेल और समाजसेवा को समर्पित रहा बाबू केबी सिंह का जीवन

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। शिक्षा, खेल और समाजसेवा के क्षेत्र में योगदान देने वाले कुंज बिहारी सिंह उर्फ बाबू केबी सिंह की पुण्यतिथि 10 अक्टूबर को मनाई जाएगी। सादगी, अनुशासन और सामाजिक सरोकार उनके व्यक्तित्व की प्रमुख विशेषताएं थीं। शिक्षक और खिलाड़ी के रूप में उन्होंने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। नारी शिक्षा के प्रति भी उनका विशेष आग्रह था।

बाबू केबी सिंह का जन्म 5 सितंबर 1931 को अकबरपुर क्षेत्र के मीर मलूकपुर गांव में शिक्षक बैजनाथ सिंह के घर हुआ था। चार संतानों में वह चौथे स्थान पर थे। उन्होंने बीएन इंटर कॉलेज अकबरपुर से इंटरमीडिएट तक शिक्षा प्राप्त की। पारिवारिक जिम्मेदारियों के चलते ट्यूबवेल ऑपरेटर के रूप में नौकरी भी की, लेकिन खेल के प्रति उनका लगाव बना रहा।

वॉलीबाल उनके प्रिय खेलों में शामिल था। अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर उन्होंने जनपद और मंडल स्तर पर पहचान बनाई। उन्हें तत्कालीन प्रदेश की टीम में भी स्थान मिला। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेकर उन्होंने जिले और प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया।

10 अक्टूबर को पुण्यतिथि पर विशेषः नारी शिक्षा के समर्थक और वॉलीबाल के कुशल खिलाड़ी के रूप में बनाई पहचान, दहीरपुर वृद्धाश्रम में होगा भोज व फल-मिष्ठान वितरण

सम्पादकीय

जीएसटी परिषद के फैसले


वित्त मंत्री

वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी परिषद की बैठक में जो फैसले लिए गए, वे समय की मांग थे। इस परिषद का सबसे उल्लेखनीय फैसला इस विभाग के अधिकारियों से गिरफ्तारी के अधिकार को खत्म करने का है। यह फैसला इसलिए उचित है, क्योंकि इसके पहले की वैट व्यवस्था में भी टैक्स अधिकारियों को यह अधिकार प्राप्त नहीं था।

इस फैसले से कारोबार जगत को राहत मिलेगी, क्योंकि इस अधिकार के चलते सही तरीके से कारोबार करने वाले व्यापारियों में भी अनावश्यक डर का माहौल बना रहता था। गिरफ्तारी का अधिकार खत्म होने से जीएसटी विभाग का ध्यान टैक्स की वसूली, खातों की जांच और जुर्माने पर ही अधिक रहेगा।

यह भी उचित फैसला है कि यदि फर्जी बिलिंग या टैक्स चोरी का कोई मामला सामने आता है तो उसका निपटारा सामान्य धोखाधड़ी के रूप में किया जाएगा। जीएसटी परिषद ने कुछ अन्य फैसले भी लिए हैं, जैसे 10 दिनों में रिफंड की मंजूरी और 17 दिनों में उसका भुगतान। अब रिटर्न में किसी तरह की गड़बड़ी के चलते कारोबारियों को कारण बताओ नोटिस से राहत मिलेगी और दस हजार से कम की टैक्स डिमांड पर कारण बताओ नोटिस नहीं आएगा। इसके अतिरिक्त छोटे ई कामर्स आपरेटरों को अलग-अलग राज्यों में कारोबार के लिए रजिस्ट्रेशन नहीं कराना होगा। छोटे कारोबारियों को अब 30 दिनों के अंदर पेनाल्टी देने पर छूट भी मिलेगी। जीएसटी परिषद को अपने फैसलों के सकारात्मक परिणामों पर तो नजर रखनी ही चाहिए। इसी के साथ उसे यह भी देखना होगा कि इस विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार पर लगाम लगे। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि नियम-कानूनों में किसी तरह के उल्लंघन का हवाला देकर टैक्स अधिकारी कारोबारियों को तंग करते हैं और उनसे अवैध वसूली करते हैं। कोई भी टैक्स व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए, जो किसी को भी बेवजह तंग न कर सके। इससे ही उद्योग-व्यापार फलेंगे-फूलेंगे और ऐसा होना वक्त की एक बड़ी मांग है।

ध्यान रहे कि देश के साथ विदेश के भी कारोबारी टैक्स संबंधी नियमों को सरल और सुगम बनाने की मांग करते ही रहते हैं। यह मांग पूरी होनी चाहिए, क्योंकि इससे कारोबार जगत में भरोसा बढ़ता है और इसके नतीजे में उसे गति मिलती है। जैसे जीएसटी विभाग से यह अपेक्षित है कि वह कारोबार को तेजी के साथ फलने-फूलने वाला माहौल बनाए, वैसे ही कारोबारियों के लिए भी यह जरूरी है कि वे नियम-कानूनों के पालन को लेकर प्रतिबद्ध रहें। टैक्स चोरी के मामले थमने ही चाहिए। जीएसटी के नियमों में लगातार सुधार किए जाने के बाद अब इस शिकायत के लिए गुंजाइश नहीं रह जाती कि व्यवस्था जटिल है। समय और तकनीक के साथ कदमताल मिलाना कारोबारियों की भी जिम्मेदारी है।

हिमालय की प्रदूषण-मुक्ति भी हो पहाड़ी तीर्थयात्रा का उद्देश्य

> 66
> सबसे महत्वपूर्ण है तीर्थयात्री की मानसिकता में परिवर्तन। पहाड़ हमारे मनोरंजन के मैदान नहीं हैं। वे हमारी आने वाली पीढ़ियों की प्राकृतिक विरासत हैं। जिस नदी के किनारे हम पूजा करते हैं, वही नदी नीचे बसे करोड़ों लोगों का जीवन है।



हिमालय केवल पर्वतों की एक शृंखला नहीं है, वह भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक आस्था और प्राकृतिक जीवन का आधार है। उसकी चोटियों में तप की स्मृतियां हैं, उसकी नदियों में करोड़ों लोगों की जीवनधारा बहती है और उसकी घाटियों में असंख्य धार्मिक स्थल सदियों से श्रद्धालुओं को आकर्षित करते रहे हैं। हिमाचल प्रदेश सहित पूरे हिमालयी क्षेत्र में हिंदू धर्म के अनेक प्रमुख तीर्थस्थल हैं। इन स्थानों पर पहुंचना श्रद्धालुओं के लिए आस्था का विषय है, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि पिछले कुछ वर्षों में तीर्थयात्रा और पर्यटन के बीच की सीमा धुंधली होती जा रही है। दर्शन और आध्यात्मिक अनुभूति के साथ मनोरंजन, मौज-मस्ती और उपभोक्तावादी जीवनशैली का प्रवेश पहाड़ों की संवेदनशीलता पर भारी पड़ रहा है। हिमालय की सबसे बड़ी विशेषता ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी भी है। यहां का पर्यावरण अत्यंत नाजुक है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मिट्टी की परत पतली है, वनस्पतियों की पुनरुत्पादन क्षमता सीमित है और कचरे के प्राकृतिक रूप से नष्ट होने की प्रक्रिया मैदानी क्षेत्रों की तुलना में बहुत धीमी है। इसके बावजूद हम हजारों-लाखों लोगों को एक साथ इन क्षेत्रों में पहुंचा रहे हैं। वाहनों की लंबी कतारें, पार्किंग का दबाव, होटल और ढाबों का अनियोजित विस्तार, प्लास्टिक की बोतलें, खाद्य पदार्थों के रैपर, पॉलीथिन और डिस्पोजेबल सामग्री पहाड़ों की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यावरण को लगातार चोट पहुंचा रहे हैं। चारधाम यात्रा के दौरान इस वर्ष सितंबर के मध्य तक 800 टन से अधिक कचरा एकत्र होने की सूचना इस संकट की गंभीरता को सामने रखती है। केदारनाथ जैसे अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र में अप्रैल से अगस्त के बीच 50.30 टन कचरा जमा होना विशेष चिंता का विषय है। यह तथ्य इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में फेंकी गई एक प्लास्टिक बोतल केवल एक बोतल नहीं रहती, वह लंबे समय तक पर्यावरण में मौजूद रहकर मिट्टी, जलस्रोतों और वन्यजीवन के लिए खतरा बन सकती है। विडंबना देखिए-जिस स्थान पर मनुष्य आत्मशुद्धि, संयम और त्याग की भावना लेकर जाता है, वहीं वह अपने पीछे कचरे का निशान छोड़ आता है। क्या ऐसी यात्रा को वास्तव में तीर्थयात्रा कहा जा सकता है? तीर्थ का अर्थ केवल किसी मंदिर तक पहुंच जाना नहीं है। तीर्थ मनुष्य के भीतर परिवर्तन की यात्रा है। यदि मंदिर में माथा टेकने के बाद हम उसी पर्वत की गोद में प्लास्टिक फेंक दें, जिसकी पवित्रता के नाम पर वहां पहुंचे हैं, तो हमारी आस्था अधूरी रह जाती है।

इस संदर्भ में 'कैरी मी बैक' अभियान उम्मीद की एक महत्वपूर्ण किरण है। लगभग पांच हजार तीर्थयात्रियों द्वारा करीब 18 किलोमीटर के रास्ते से 12 टन से अधिक कंप्रेस्ड प्लास्टिक वापस नीचे लाना बताता है कि श्रद्धालुओं को सहभागी बनाया जाए तो वे पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यह केवल कचरा उठाने का अभियान नहीं, बल्कि तीर्थयात्रा की मानसिकता बदलने का प्रयास है। ऐसे अभियानों को व्यापक स्वरूप देकर हिमाचल, उत्तराखंड और अन्य हिमालयी तीर्थ क्षेत्रों में लागू किया जाना चाहिए। अमरनाथ यात्रा से मिला अनुभव भी सकारात्मक दिशा दिखाता है। पुनः उपयोग किए जाने वाले बर्तनों और पानी भरने की सुविधाओं के विस्तार के कारण यात्रियों की संख्या में 17 प्रतिशत वृद्धि के बावजूद प्रति यात्री कचरे में 15 प्रतिशत कमी आना इस बात का प्रमाण है कि सुविधाजनक और वैज्ञानिक व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए तो पर्यावरणीय दबाव कम किया जा सकता है। इसलिए केवल श्रद्धालुओं से अपील करना पर्याप्त नहीं है, प्रशासन को ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार सबसे सहज विकल्प बने।

हिमाचल प्रदेश के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर भीड़ का अनियंत्रित बढ़ना इसी व्यापक संकट का हिस्सा है। शिमला, मनाली, धर्मशाला, चामुंडा, ज्वालाजी, चिंतपूर्णी, नैना देवी और अन्य धार्मिक-पर्यटन स्थलों पर मौसम विशेष में बढ़ने वाला दबाव यातायात, जलापूर्ति, सीवेज, ठोस कचरा और स्थानीय संसाधनों पर असर डालता है। पहाड़ों की वहन क्षमता मैदानी शहरों जैसी नहीं है। इसलिए किसी भी तीर्थ या पर्यटन स्थल की लोकप्रियता को केवल अधिकाधिक लोगों को वहां पहुंचाने की सफलता के रूप में नहीं देखा जा सकता। अब समय आ गया है कि 'जितने अधिक पर्यटक, उतना अधिक विकास' की सोच को 'जितना संवेदनशील पर्यावरण, उतना जिम्मेदार पर्यटन' में बदला जाए। तीर्थस्थलों की वहन क्षमता का वैज्ञानिक अध्ययन हो और उसके आधार पर प्रतिदिन या मौसम के अनुसार आगंतुकों की संख्या निर्धारित की जाए। सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रभावी नियंत्रण हो, पानी के रिफिल स्टेशन बढ़ाए जाएं, बोतलों और पैकेजिंग के लिए डिपॉजिट-रिटर्न व्यवस्था लागू की जाए तथा कचरे को स्रोत पर ही अलग करने की व्यवस्था हो। दुकानदारों, होटल संचालकों और वेंडरों को उनके द्वारा उत्पन्न कचरे के प्रति जवाबदेह बनाया जाना चाहिए।

जिस जंगल को हम कैमरे में कैद करते हैं, वही जंगल पहाड़ी पारिस्थितिकी को संतुलित करता है। जिस पर्वत को हम देवभूमि कहकर नमन करते हैं, उसकी ढलानों पर प्लास्टिक फेंकना हमारी अपनी श्रद्धा का अपमान है। नेपाल और हिमालयी क्षेत्र में समय-समय पर अत्यधिक वर्षा, बाढ़, भूस्खलन और हिमस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं ने यह चेतावनी दी है कि पर्वतीय पारिस्थितिकी के साथ छेड़छाड़ के परिणाम गंभीर हो सकते हैं। हर आपदा को सीधे पर्यटन या प्रदूषण का परिणाम मानना वैज्ञानिक रूप से उचित नहीं होगा, लेकिन इतना निश्चित है कि अनियोजित निर्माण, अत्यधिक मानवीय दबाव, वन क्षरण और कचरा प्रबंधन की कमजोरी पर्वतीय क्षेत्रों की संवेदनशीलता को बढ़ा सकती है। हिमालय आज चिन्ताओं का हिमालय बन गया है। कुछ दशकों में खासकर हिमालयी क्षेत्र के राज्यों में विकास के नाम पर जहां प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन हुआ है, वहीं धार्मिक पर्यटन के नाम पर व्यापक स्तर पर प्रदूषण फैला है। इतना ही नहीं, प्रकृति से खिलवाड़ कर नियमों के खिलाफ ऐसा निर्माण खड़ा किया जा रहा है, जो बाढ़ और भूस्खलन के साथ बर्बादी लेकर आता रहा है। सवाल यह भी है कि पहाड़ी राज्यों में विकास का क्या पैमाना होना चाहिए? अगर विकास के नाम पर कहीं निर्माण गतिविधियां आवश्यक हों तो वह नियोजन के साथ ही आपदाओं को झेलने में सक्षम होनी चाहिए। आम तौर पर देखा गया है कि इन राज्यों में पर्यटन एवं धार्मिक यात्राओं को बढ़ावा देने के नाम पर ऐसी बड़ी-बड़ी इमारतें खड़ी हो गईं जो न सिर्फ बाढ़ और भूस्खलन झेलने में अक्षम साबित हुईं, बल्कि पर्यावरण के हिसाब से भी नुकसानदेह रही हैं।

-ललित गर्ग

इस कथा का...

कुमार कृष्णन

चंडिका स्थान : शक्ति, साधना और लोकविश्वास का संगम

शक्ति की आराधना केवल देवी के किसी रूप के सामने सिर झुकाने का नाम नहीं है। भारतीय लोकजीवन में शक्ति उस चेतना का नाम भी है, जो संकट के समय मनुष्य को भीतर से खड़ा करती है। शारदीय नवरात्र इसी शक्ति की उपासना का पर्व है। नौ रातों तक देवी के नौ रूपों की आराधना के बीच मुंगेर का चंडिका स्थान अपनी अलग आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान के साथ सामने आता है। गंगा के किनारे, श्मशान की निकटता और लोकविश्वास की गहरी जड़ों के बीच स्थित यह स्थल श्रद्धा, साधना और शक्ति की एक ऐसी परंपरा को अपने भीतर समेटे हुए है, जिसकी स्मृति सदियों से लोकमानस में चली आ रही है।

मुंगेर शहर से लगभग चार किलोमीटर की दूरी पर स्थित चंडिका स्थान को स्थानीय परंपरा में शक्तिपीठ माना जाता है। मान्यता है कि भगवान शिव जब सती के जले हुए शरीर को लेकर विचरण कर रहे थे, तब सती की बाईं आंख यहां गिरी थी। इसी कारण इस स्थान का संबंध शक्ति की उपासना से जोड़ा जाता है। शक्तिपीठों की संख्या और उनके संबंध में विभिन्न धार्मिक परंपराओं में अलग-अलग मान्यताएं मिलती हैं। चंडिका स्थान की पहचान भी इसी लोकपरंपरा और आस्था से निर्मित हुई है।

यहां देवी को चंडिका के रूप में पूजा जाता है। चंडी शक्ति का वह उग्र रूप हैं, जो केवल विनाश का प्रतीक नहीं, बल्कि अधर्म और अराजकता के विरुद्ध प्रतिरोध की ऊर्जा का भी प्रतीक है। शारदीय नवरात्र में इस अर्थ की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है।

चंडिका स्थान की विशेषता उसकी भौगोलिक स्थिति भी है। मंदिर के पूर्व और पश्चिम में श्मशान और समीप बहती गंगा ने इस स्थल को एक विशिष्ट आध्यात्मिक वातावरण दिया है। जीवन और मृत्यु, सृजन और विनाश, आस्था और वैराग्य—इन विरोधी प्रतीत होने वाले तत्वों का एक साथ उपस्थित होना इस स्थान को साधना की दृष्टि से अलग पहचान देता है। यही कारण है कि लोकमान्यता में चंडिका स्थान को तंत्र-साधना का भी महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है और नवरात्र में विभिन्न स्थानों से साधक यहां आते हैं।

मंदिर में पूजा की परंपरा भी विशिष्ट है। नवरात्र के दौरान प्रातःकाल से ही पूजा-अर्चना आरंभ हो जाती है और संध्या में श्रृंगार पूजन होता है। अष्टमी के दिन विशेष पूजा होती है। उस दिन देवी का विशेष श्रृंगार किया जाता है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। मुंगेर के साथ-साथ खगड़िया और बेगूसराय सहित आसपास के क्षेत्रों से भी श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ जाती है।

चंडिका स्थान से जुड़ी सबसे प्रसिद्ध लोककथाओं में महाभारत के कर्ण और उज्जैन के राजा विक्रमादित्य की कथा है। लोकविश्वास के अनुसार कर्ण देवी चंडिका के परम भक्त थे। वे प्रतिदिन गंगा स्नान के बाद देवी की आराधना करते और खौलते हुए तेल की कड़ाही में कूदकर अपने प्राण अर्पित कर देते। देवी उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर उन्हें जीवनदान देतीं और सोना प्रदान करतीं। कर्ण उस सोने को मुंगेर के कर्ण चौरा में ले जाकर लोगों के बीच बांट देते थे।

लोककथा आगे बताती है कि इस रहस्य की जानकारी उज्जैन के राजा विक्रमादित्य को हुई। वे स्वयं चंडिका स्थान पहुंचे और इस अद्भुत दृश्य को देखा। एक दिन उन्होंने कर्ण से पहले मंदिर पहुंचकर देवी की परीक्षा लेने का प्रयास किया। वे भी खौलते हुए तेल की कड़ाही में कूदे। देवी ने उन्हें जीवनदान दिया। ऐसा तीन बार हुआ। चौथी बार जब विक्रमादित्य कड़ाही में कूदने लगे तो देवी ने उन्हें रोक दिया और वरदान मांगने को कहा। उन्होंने सोना देने वाला थैला और अमृत कलश मांगा। लोकविश्वास है कि उनकी इच्छा पूरी करने के बाद देवी ने कड़ाही को उलट दिया और उसमें अंतर्ध्यान हो गईं। मंदिर में आज भी उस कड़ाही से जुड़ी परंपरा का स्मरण किया जाता है।

इस कथा का धार्मिक अर्थ जितना महत्वपूर्ण है, उससे कम महत्वपूर्ण इसका लोकनैतिक अर्थ नहीं है। कर्ण की कथा में शक्ति पाने से अधिक महत्वपूर्ण है शक्ति का लोककल्याण में उपयोग। यदि प्राप्त संपदा केवल स्वयं के लिए हो तो वह शक्ति नहीं, संग्रह है। कर्ण के प्रसंग में लोकस्मृति उस संपदा को बांटने और दूसरों के जीवन में उपयोग करने की बात करती है। शायद इसी कारण कर्ण की कथा चंडिका की आराधना से जुड़कर शक्ति को दान और लोककल्याण के अर्थ से जोड़ देती है। चंडी के स्वरूप को लेकर परमहंस स्वामी निरंजनानंद सरस्वती की व्याख्या इस लोकविश्वास को एक व्यापक आध्यात्मिक अर्थ देती है। उनके अनुसार चंडी देवी का आक्रामक पहलू हैं। जब मानवीय और दैवीय प्रयास अपनी सीमा तक पहुंच जाते हैं, तब चंडी की शक्ति प्रकट होती है।

ग्रामीण अंचलों ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

जौनपुर में कचरा प्रबंधन से आजीविका का सशक्त मॉडल बनी नाथुपुर ग्राम पंचायत

उत्तर प्रदेश में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के द्वितीय चरण के अंतर्गत ग्रामीण स्वच्छता को संधारणीय बनाने और ग्राम पंचायतों को 'ओडीएफ प्लस मॉडल' के रूप में विकसित करने की दिशा में व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जनपद जौनपुर के विकास खंड सिरकोनी की ग्राम पंचायत नाथुपुर ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में एक अनुकरणीय पहल की है। ग्राम पंचायत ने रिसोर्स रिकवरी सेंटर (आरआरसी) के संचालन को महिला स्वयं सहायता समूह से जोड़कर गांव में नियमित स्वच्छता सुनिश्चित करने के साथ-साथ आजीविका संवर्धन का एक व्यावहारिक मॉडल स्थापित किया है।

ग्रामीण अंचलों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर परिसंपत्तियों का निर्माण तो किया गया, किंतु प्रारंभिक दौर में इसके संचालन में व्यावहारिक चुनौतियां सामने आईं। नाथुपुर में आरंभ में केंद्रीय वित्त आयोग के टाइड फंड से ई-रिक्शा और अन्य बुनियादी संसाधनों की व्यवस्था कर एक कर्मचारी के माध्यम से केंद्र संचालित करने का प्रयास किया गया। कार्य से प्रत्यक्ष आय या प्रोत्साहन न जुड़ा होने के कारण व्यवस्था में स्वामित्व की कमी रही और कर्मचारी की ग्राम पंचायत पर पूर्ण निर्भरता के चलते कुछ समय बाद यह केंद्र निष्क्रिय हो गया। इसके उपरांत ग्रामवासियों एवं स्थानीय दुकानदारों से उपयोगकर्ता शुल्क लेकर केंद्र चलाने की रूपरेखा तैयार की गई। नियमित अंशदान में एकरूपता और जनसहभागिता के अभाव के कारण यह व्यवस्था भी दीर्घकालिक रूप से सफल नहीं हो सकी। इन पूर्व अनुभवों से सीख लेते हुए जिला प्रशासन एवं ग्राम पंचायत द्वारा नीतिगत सुधार किया गया और आरआरसी संचालन की समग्र जिम्मेदारी राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़े स्वयं सहायता समूह को सौंपने का निर्णय लिया गया। इस नई कार्ययोजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत ने आधारभूत संरचना को सशक्त करते हुए समूह को सुसज्जित रिसोर्स रिकवरी सेंटर, निर्बाध विद्युत एवं जल आपूर्ति, पक्का संपर्क मार्ग और सक्रिय ई-रिक्शा उपलब्ध कराया। इसके साथ ही समूह को प्रारंभिक संचालन सहयोग प्रदान करते हुए गांव में घर-घर से कचरा संग्रहण, अपशिष्ट पृथक्करण और पुनर्चक्रण की पूरी जिम्मेदारी दी गई। इस व्यवस्था से केंद्र की निर्भरता पंचायत निधि पर समाप्त हुई और वह आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ा।

समूह की महिलाओं के क्षमता संवर्धन हेतु विकास खंड स्तर पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और केंद्र संचालन का व्यावहारिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान सदस्यों को स्थानीय कबाड़ बाजारों का भ्रमण कराया गया, जिससे वे विभिन्न प्रकार के कचरों के व्यावसायिक मूल्य से परिचित हो सकीं। विशेष रूप से सूखे प्लास्टिक कचरे की छंटाई, सफाई, वर्गीकरण और बंडलिंग की तकनीक सिखाई गई, जिससे मूल्य संवर्धन के माध्यम से पुनर्चक्रण 'रीसाइक्लिंग' योग्य सामग्री का बाजार में बेहतर मूल्य सुनिश्चित किया जा सके।

बचपन की ओर

पूरी दुनियां हमें प्यार करती हैं अगर मासूम बच्चे सी मुस्कान आंखों मे हो। आसमान हमारे संग अपना स्वर मिलाता है ,अगर हमारे उडने की चाहत पांखों मे हो। वादियों का नैसर्गिक सौंदर्य, हमारी यादों का अमिट हिस्सा बन जाता हैं । वह मुश्किल कैसी भी हो, दम तोड़ देती है, अगर दृढ़ इच्छाशक्ति हमारी सांसों मे हो। हम सबने अपने बचपन में यह महसूस किया था कि दुनिया कितनी सरल थी, मार्केट में दो तरह के बिस्किट, दो-तीन तरह के साबुन, दो टीवी चैनल और कुछेक खेल आदि- आदि । हर चीज सरल थी, सीधे दिल तक पहुंचती थी । लेकिन अब ? हम सब आज उम्र की जिस दहलीज़ पर खड़े हैं, हमारे जीवन को कितना संघर्षमय बना कर यहां तक बढ़े हैं। मज़े की बात यह और है कि आज भी संघर्षों का अंत नहीं हुआ है। और लगता भी है अंत तक अंत होता भी नहीं दीखता है। ऐसे में हमें अपना बचपन बहुत याद आता है। वह जहां बस खेलना- कूदना वो दादी नानी की गोद का बिछौना आदि-आदि । हमारा मन कही ना होने पर वह रूठना और रोना था । मा व बड़ों का क्या-क्या न कह कर मनाना हैं । चांद - तारे तक मेरे बताना हैं । आदि-आदि क्या-क्या न कह कर बहलाना हैं । वह कितनी मौज थी, कितनी मस्ती थी। कभी चुपके से मां - बाबा को कहते सुनते थे । हमारी रौनक घर में कितनी थी, बस्ती कितनी थी। अब कभी-कभी सोचते हैं कि हमने अपनी जिन्दगी पेचीदी बिना मतलब क्यों बना ली है। इसे बचपन में तब जैसी थी क्यों नहीं रख पाए। मैं यह सोचते-सोचते गहरे चिन्तन में डूब जाता हूं । दादासा , बाईं मां , काकीसा आदि - आदि की बिना बोले हर समय उमड़ने वाली ममता ,करुणा ,वात्सल्य और सदैव मां जैसा अपनापन आदि - आदि जो अभी हो तो कितना अच्छा हो ।। क्या ऐसा करना अब फिर संभव नहीं है ? मैं तो सोच ही रहा हूं , आप भी तो जरा सोचिये, निकालिए कोई राह, वहां हम पहुंच जाये, यह पेचीदा राह छोड़-छाड़ कर अपने ही द्वारा बनाई।

> प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

विश्व कृषि पर्यटन...

केवल राम

प्रदेश सरकार स्कूलों तथा कालेजों के छात्रों को पर्यटन से जोड़कर विकसित कर रही है विरासत के प्रति जागरूकता एवं सामुदायिक भावना

उत्तर प्रदेश सांस्कृतिक एवं धार्मिक स्थलों के रूप में अपनी मजबूत पहचान बना चुका है। काशी, मथुरा, प्रयागराज, अयोध्या, कुशीनगर, संकिसा जैसे विश्व विख्यात आस्था के स्थल प्रदेश में मौजूद हैं प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में पर्यटक उत्तर प्रदेश आते हैं। वर्ष 2025 में 01 अरब 58 करोड़ पर्यटक भ्रमण पर आये। विविध सांस्कृतिक गतिविधियों, ऐतिहासिक स्थलों धार्मिक एवं आध्यात्मिक केन्द्रों सहित जंगलों एवं नदियों के प्राकृतिक स्थलों से परिपूर्ण उत्तर प्रदेश पर्यटकों के लिए पसंदीदा स्थल के रूप में स्थापित हो चुका है। पर्यटकों के आगमन के दृष्टिगत ''विजिट माई स्टेट अभियान'' के तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों में एक साथ आयोजित कार्यक्रमों ने गांवों की संस्कृति, कृषि परंपराओं, लोक कला और ग्रामीण जीवनशैली को पर्यटन के नए आयाम से जोड़ने का कार्य किया गया है। मा० मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण पर्यटन को रोजगार, महिला सशक्तिकरण और सांस्कृतिक संरक्षण का मजबूत माध्यम बना रही है।'विजिट माई स्टेट' अभियान लोगों को अपने ही राज्य की विविधता और सांस्कृतिक धरोहरों से परिचित कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रदेश में अब तक 234 ग्रामीण पर्यटन ग्राम विकसित किए जा चुके हैं। इनमें प्रयागराज का श्रृंगवेरपुर, मथुरा का जैत, बाराबंकी का कठुआ धाम, सीतापुर का ठाकुर नगर और पीलीभीत का सेहला प्रमुख हैं। वैश्विक अनिश्चितताओं के इस दौर में उत्तर प्रदेश सरकार लोगों को विदेशों के बजाय अपने राज्य के पर्यटन स्थलों को देखने, समझने और अनुभव करने के लिए प्रेरित कर रही है।

विश्व कृषि पर्यटन दिवस पर प्रयागराज, मैनपुरी, फिरोजाबाद, लखनऊ, कन्नौज, महोबा, चित्रकूट, बस्ती, शामली, मथुरा, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, सिद्धार्थनगर और इटावा सहित कई जिलों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रदेशभर में आयोजित कार्यक्रमों में 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' (ओडीओपी) के तहत स्थानीय उत्पादों की आकर्षक प्रदर्शनी भी लगाई गई। इनमें हस्तशिल्प, खाद्य उत्पाद, कृषि आधारित वस्तुएं और पारंपरिक कलाकृतियां प्रदर्शित की गईं। इससे स्थानीय कारीगरों और ग्रामीण उद्यमियों को अपने उत्पादों के विपणन का अवसर मिला। लखनऊ में हस्तशिल्प और पारंपरिक व्यंजनों की प्रदर्शनी ने लोगों का ध्यान खींचा। चित्रकूट में बुंदेली लोकनृत्य और लोकनाट्य प्रस्तुतियों ने ग्रामीण संस्कृति की जीवंत झलक प्रस्तुत की। प्रयागराज के श्रृंगवेरपुर स्थित 'सत्यम शिवम सुंदरम एग्री-टूरिज्म प्रॉपर्टी' में ध्यान सत्र, चूड़ी निर्माण, हस्तशिल्प प्रदर्शन और ग्रामीण जीवनशैली आधारित गतिविधियां आयोजित की गई। कन्नौज की एस. विराज एग्री टूरिज्म प्रॉपर्टी में हितधारक परामर्श सत्र आयोजित हुआ, जिसमें किसानों की आय बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण में कृषि पर्यटन की भूमिका पर चर्चा की गई। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग और उत्तर प्रदेश इको पर्यटन विकास बोर्ड ने संयुक्त रूप से लखनऊ के राष्ट्रीय उद्योग आश्रम इंटर कॉलेज, देवा रोड (मटियारी) के विद्यार्थियों को बाराबंकी के रजौली स्थित 'मधुमक्खी वाला' केंद्र का भ्रमण कराया। यहां बच्चों ने मधुमक्खी पालन, शहद उत्पादन और ग्रामीण आजीविका से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। विशेषज्ञों ने शहद की शुद्धता पहचानने और मधुमक्खियों के जीवन चक्र के बारे में विस्तार से बताया। नॉर्वे की राजधानी ओसलो से आए विद्यार्थियों के एक दल ने मथुरा स्थित नंदगांव फार्म स्टे का भ्रमण भी किया।

इन आयोजनों का उद्देश्य छात्रों एवं युवाओं को ग्रामीण भारत की जनजीवन की जानकारी के साथ प्रकृति के साथ सहअस्तित्व की भावना को विकसित करना है। इसके अलावा स्थानीय व्यंजन, हस्तशिल्प, कृषि उत्पाद तथा ग्रामीण रहन-सहन से परिचित कराना है। यह सर्वविदित है कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। जिसने भारत के गांव नही देखा वह सांस्कृतिक विरासत, लोक जीवन एवं लोक परंपराओं को विधिवत जान नहीं सकेगा। पर्यटन विभाग भ्रमण के साथ-साथ भारतीय संस्कृति को भी जीवंत बनाने का कार्य कर रहा है।

इसके अलावा मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन एवं मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में युवा पर्यटन क्लबों का गठन किया गया है। जिसका उद्देश्य युवाओं को पर्यटन राजदूतों के रूप में विकसित करना है। प्राकृतिक, सांस्कृतिक विरासत के साथ-साथ पर्यटन के प्रति जागरूकता बढ़ाने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। युवा पर्यटन क्लबों में विभिन्न स्कूलों और कालेजों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को शामिल किया गया है। अब तक 75 जनपदों में 1500 से अधिक युवा पर्यटन क्लब गठित किये जा चुके हैं। जिनमें 30,000 से अधिक विद्यार्थियों को जोड़ा गया है।

युवा पर्यटन क्लबों द्वारा रचनात्मक और ज्ञानवर्धक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। इन गतिविधियों का उद्देश्य छात्रों में पर्यटन के प्रति रूचि जागृति करना और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना तथा सामूहिक सहभागिता को बढ़ावा देना है। इसके अंतर्गत पेंटिंग प्रतियोगिता, नेचर वॉक, रील मेकिंग सहित अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती है। इस प्रकार समग्र रूप से देखा जाए तो पर्यटन में विभिन्न गतिविधियों को आयोजित करने के साथ ही युवाओं को विरासत के प्रति जागरूकता उत्पन्न करके स्थानीय स्तर पर रोजगार के साधन भी सृजित किये जा रहे हैं।

बलिया में पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी के तेरहवीं कार्यक्रम में पहुंचे सपा प्रमुख

रामगोविंद चौधरी के संघर्ष को आगे बढ़ाएंगे : अखिलेश यादव



रामगोविंद चौधरी को दी श्रद्धांजलि

अखिलेश यादव ने कहा कि रामगोविंद चौधरी की बातों में जनता का दुख-दर्द झलकता था। पक्ष और विपक्ष दोनों के लोग उन्हें गंभीरता से सुनते थे। उनके तर्क विवेकपूर्ण और प्रभावशाली होते थे, जिनका जवाब देना विपक्षियों के लिए भी आसान नहीं था। उन्होंने कहा कि रामगोविंद चौधरी ने अपने विचारों के माध्यम से लोगों को जोड़ने का काम किया और बलिया से निकलकर प्रदेश व देश की राजनीति में अपनी पहचान बनाई। वह राजनीति में कभी झुके नहीं। अखिलेश यादव ने भरोसा दिलाया कि उनका संघर्ष व्यर्थ नहीं जाएगा।

सांत्वना

तमसा संकेत, संवाददाता

बलिया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव शुक्रवार को बलिया के गोसाईंपुर पहुंचे। यहां उन्होंने पूर्व नेता प्रतिपक्ष स्वर्गीय रामगोविंद चौधरी के तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होकर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए और परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना दी। इस दौरान अखिलेश यादव ने रामगोविंद चौधरी के राजनीतिक योगदान को याद करते हुए कहा कि वह जमीन से जुड़े नेता थे। उन्होंने किसानों, नौजवानों, गरीबों और मजदूरों के अधिकारों के



लिए जीवनभर संघर्ष किया। उनके विचारों और संघर्ष को आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है। मीडिया से बातचीत के दौरान अखिलेश यादव ने अयोध्या में श्रीराम मंदिर के चढ़ावे और चंदे में कथित चोरी का मुद्दा उठाया। उन्होंने मुख्यमंत्री के उस बयान पर सवाल किया, जिसमें 15 दिनों में दूध का दूध और पानी का पानी करने की बात कही गई थी। अखिलेश यादव ने पूछा कि क्या मामले में सच्चाई सामने आ गई है? उन्होंने मुख्यमंत्री को अयोध्या से चुनाव लड़ने की चुनौती भी दी।

2027 में भाजपा को हराने का दावा

अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव में परिवर्तन होने जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि इंडिया गठबंधन मजबूत है और 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराने वाला गठबंधन आगामी विधानसभा चुनाव में भी उसे पराजित करेगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी गठबंधन के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश में अब तक की सबसे ज्यादा सीटें जीतने की तैयारी कर रही है।

चुनाव आयोग पर लगाए भेदभाव के आरोप

सपा अध्यक्ष ने कहा कि चुनाव आयोग के कथित भेदभावपूर्ण रवैये और चुनाव में धांधली के खिलाफ लोकतंत्र बचाने के लिए आंदोलन कर रहे लोगों का समाजवादी पार्टी समर्थन करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी ने वर्ष 2022 में भी मतदाता सूची से वोट काटे जाने की शिकायत की थी और हलफनामा देकर अपनी बात रखी थी, लेकिन दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई।

2027 में भाजपा को हराएगा इंडिया गठबंधन, अयोध्या में चंदा चोरी, महंगाई, बेरोजगारी और चुनाव आयोग पर साधा निशाना



> सपा प्रमुख ने भाजपा सरकार पर अयोध्या के लोगों के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के नाम पर लोगों की दुकानें, मकान और जमीनें ली गईं, लेकिन उन्हें जमीन का उचित बाजार मूल्य नहीं मिला। अखिलेश यादव के मुताबिक, अयोध्या में भाजपा की सरकार होने के बावजूद स्थानीय लोगों को न्याय नहीं मिला और उनके साथ धोखा हुआ।

स्कूल बंद होने और पुलिस व्यवस्था पर सवाल

अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार को शिक्षा विरोधी बताते हुए दावा किया कि प्रदेश में 26 हजार से ज्यादा प्राथमिक विद्यालय बंद हो गए हैं, जबकि बलिया में भी 300 से अधिक स्कूल बंद हुए हैं। उन्होंने एंबुलेंस सेवाओं और पुलिस व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। बलिया के नरही थाने में पुलिसकर्मियों के भ्रष्टाचार को लेकर पुलिस द्वारा ही छापेमारी किए जाने की घटना का उल्लेख करते हुए उन्होंने सरकार पर निशाना साधा।

फास्ट न्यूज

यूपी के 18 शहरों में दौड़ेंगी 1,725 एसी इलेक्ट्रिक बसें

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के 18 शहरों में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 1,725 नई वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इन बसों का संचालन ग्रॉस कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट (जीसीसी) मॉडल पर किया जाएगा।

खिर फ्रंट के पार्क में पहली बार चली नाव

लखनऊ । लखनऊ में गोमती नदी का जलस्तर 11वें दिन भी लगातार बढ़ रहा है। इसका असर नदी के आसपास बने पार्कों और धार्मिक स्थलों पर दिखाई दे रहा है। हालात ऐसे हैं कि गोमती नदी में चलने वाली नाव अब रिवर फ्रंट के पार्क में चलाई जा रही है। यहां पहली बार नाव चलाने की नौबत आई है।

नाव चलाने वाले रामपाल निषाद ने बताया कि वह करीब 40 साल से गोमती नदी के आसपास रह रहे हैं। इस दौरान वह नदी में कूदने वाले सैकड़ों लोगों की जान बचा चुके हैं, लेकिन उन्होंने पहले कभी रिवर फ्रंट के पार्क में नाव नहीं चलाई थी।

करबला जमीन विवाद:मौलाना कल्बे जवाद ने सौंपा ज्ञापन

लखनऊ । नरही स्थित करबला मोतमदुद्दौला आग़ा मीर की जमीन पर कथित अवैध कब्जे, निर्माण के प्रयास और हरे-भरे पेड़ों की कटाई का मामला तूल पकड़ता जा रहा है।
शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद इमाम-ए-जुमा मौलाना कल्बे जवाद नकवी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लेते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया।

यूपी में ब्याज और अर्थदंड माफी योजना-2026 लागू

बकायों पर मिलेगा योजना का लाभ

तमसा संकेत, संवाददाता

- बिक्री कर, व्यापार कर और वैट समेत कई पुराने कर कानूनों के मामले होंगे शामिल
- योगी कैबिनेट ने दी मंजूरी, 3 महीने तक लागू रहेगी ब्याज माफी योजना

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश ब्याज माफी योजना-2026 लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इसके तहत विभिन्न कर कानूनों के अंतर्गत 31 दिसंबर 2025 तक सृजित बकायों पर ब्याज और अर्थदंड माफ करने का निर्णय लिया गया है। यह छूट 3 महीने तक लागू रहेगी। योजना के दायरे में बिक्री कर, केंद्रीय बिक्री कर, व्यापार कर, मूल्य संवर्धित कर (वैट) समेत कई कर कानूनों के अंतर्गत आने वाले पुराने बकाये शामिल होंगे। योजना के तहत उत्तर प्रदेश बिक्री कर अधिनियम-1948, केंद्रीय बिक्री कर अधिनियम-1956, उत्तर प्रदेश आमोद एवं पणकर अधिनियम-1979, उत्तर प्रदेश व्यापार कर अधिनियम-1995, उत्तर प्रदेश प्रवेश कर अधिनियम-2007 और उत्तर प्रदेश मूल्य संवर्धित कर अधिनियम-2008 के अंतर्गत सृजित बकायों को शामिल किया गया है। इसके अलावा मनोरंजन कर से संबंधित नियमावली और उत्तर प्रदेश केबल टेलीविजन नेटवर्क नियमावली-1997 से जुड़े मामलों को भी योजना के दायरे में रखा गया है। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया कि निर्धारित तारीख तक सृजित बकायों पर लगने वाले ब्याज और अर्थदंड को माफ करने के लिए यह योजना लागू की जा रही है।

लखनऊ में युवक की ईंट-रॉड से पीटकर हत्या

दुबग्गा । लखनऊ में शराब पार्टी के दौरान हुए विवाद में एक युवक की हत्या कर दी गई। आरोप है कि उसके दोस्त ने ईंट और लोहे की रॉड से सिर पर कई वार किए। शुक्रवार सुबह युवक कमरे के बाहर घायल हालत में मिला। पुलिस उसे लोकबंधु अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने चार टीमें गठित की हैं। मृतक की पहचान हरदोई जिले के टड़ियावां थाना क्षेत्र के गांव भोटा निवासी सुखपाल (28) के रूप में हुई है। वह पेंटर का काम करता था और पिछले करीब 10 साल से कनौसी में रह रहा था। वह गोलू पाल के प्लांट परिसर में बने कमरे में किराये पर रहता था।

पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार को दूरभाष पर सूचना मिली कि सुखपाल कमरे के बाहर घायल अवस्था में पड़ा है। पुलिस मौके पर पहुंची और उसे एम्बुलेंस से लोकबंधु अस्पताल भिजवाया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं सहायिकाओं को मिलेगी 1 अतिरिक्त साड़ी

अब 3 साल में 1 की जगह हर साल मिलेगी अतिरिक्त साड़ी

तमसा संकेत, संवाददाता



> प्रति साड़ी 500 रुपये की दर से राज्य सरकार पर कुल 19,01,45,000 रुपये का अनुमानित वित्तीय भार आएगा, जो लगभग 19.02 करोड़ रुपये है।

प्रदेश के 3.80 लाख से अधिक कर्मियों को होगा लाभ,19.02 करोड़ रुपये खर्च करेगी योगी सरकार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई कैबिनेट बैठक में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को लेकर बड़ा फैसला लिया गया। प्रदेश में कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को अब विभागीय कार्यों के बेहतर संपादन और कार्यस्थल पर निर्धारित वेशभूषा में काम करने के लिए 1 अतिरिक्त साड़ी उपलब्ध कराई जाएगी। इस फैसले से प्रदेश के कुल 3,80,290 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को लाभ मिलेगा। राज्य सरकार इस पर करीब 19.02 करोड़ रुपये खर्च करेगी। प्रदेश में 1,90,145 आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए 1,90,145 कार्यकर्ताओं और 1,90,145 सहायिकाओं के पद स्वीकृत हैं। इस तरह कुल 3,80,290 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को अतिरिक्त साड़ी उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। सरकार का उद्देश्य विभागीय कार्यों के दौरान निर्धारित वेशभूषा सुनिश्चित करने के साथ ही मैदानी क्षेत्रों में काम करने वाली कर्मियों को व्यावहारिक राहत देना है। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण और मैदानी क्षेत्रों में कार्यरत कर्मियों को निर्धारित वर्दी के नियमित उपयोग, धुलाई, प्रतिकूल मौसम और आकस्मिक परिस्थितियों में साड़ी के गंदा या खराब हो जाने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

हर साल मिलेगी एक अतिरिक्त साड़ी

केंद्र सरकार की केंद्र प्रायोजित योजना के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों पर छह वर्ष तक के बच्चों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं और 14 से 18 वर्ष तक की किशोरी बालिकाओं को अनुपूरक पोषाहार उपलब्ध कराया जाता है। इन सेवाओं को प्रभावी ढंग से संचालित करने में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वर्तमान व्यवस्था के तहत सामान्य योजना में केंद्र और राज्यांश के 60:40 अनुपात में प्रतिवर्ष दो साड़ियां उपलब्ध कराई जाती हैं। अब इसके अतिरिक्त एक साड़ी और दी जाएगी।

33 जनपदों में बाजरा, 25 जनपदों में मक्का और 13 जनपदों में होगी ज्वार की खरीद

31 दिसंबर तक होगी मक्का बाजरा व ज्वार की खरीद

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का निर्देश- 48 घंटे के भीतर किसानों को किया जाए भुगतान

तमसा संकेत, संवाददाता



बाजरा का 2.20 लाख, ज्वार 50 हजार और 15 हजार मीट्रिक टन मक्का क्रय का लक्ष्य प्रस्तावित

ज्वार (मालदांडी) का 4073 व ज्वार (हाईब्रिड) का 4023 रुपये प्रति कुंतल न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित

बाजरा का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2900 रुपये, मक्का का 2410 रुपये प्रति कुंतल तय

इन 13 जिलों में होगी ज्वार की खरीद

बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, महोबा, कानपुर नगर-देहात, फतेहपुर, उन्नाव, हरदोई, मीरजापुर, जालौन, झांसी, फिरोजाबाद में ज्वार की खरीद होगी।

लखनऊ। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत 'श्रीअन्न' (मोटे अनाज) की खरीद 31 दिसंबर तक चलेगी। खाद्य व रसद मंत्री मनोज कुमार पांडेय के मुताबिक 'मोटे अनाज' में शामिल ज्वार (मालदांडी) का 4073, ज्वार (हाईब्रिड) का 4023 रुपये, बाजरा का 2900 और मक्का का 2410 रुपये प्रति कुंतल न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 48 घंटे में किसानों को भुगतान कराने का निर्देश दिया है। किसानों के आधार लिंकड बैंक खाते में सीधे भुगतान किया जाएगा। किसान अपनी किसी भी समस्या के लिए टोल फ्री नंबर 18001800150 से मदद ले सकते हैं। बिचौलियों को रोकने व पारदर्शिता बरतते हुए क्रय केंद्रों पर मोटे अनाज की खरीद ई-पॉप (इलेक्ट्रॉनिक प्वॉइंट ऑफ परचेज) डिवाइस के माध्यम से पहले की भांति किसानों का बायोमीट्रिक सत्यापन के जरिए ही होगी। बुलंदशहर, रामपुर, संभल, अमरोहा, बरेली, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, अलीगढ़, एटा, कासगंज, हाथरस, कानपुर नगर, कानपुर देहात, इटावा, फर्रुखाबाद, औरैया, कन्नौज, बलिया, जौनपुर, गाजीपुर, मीरजापुर, प्रयागराज, कौशाम्बी, फतेहपुर, जालौन, चित्रकूट एवं हमीरपुर (कुल 33 जनपदों) में की जायेगी।

मक्का खरीद के लिए 25 जनपद प्रस्तावित

मक्का खरीद 25 जनपदों में होगी। यह जनपद बुलंदशहर, बदायूं, हरदोई, उन्नाव, मैनपुरी, आगरा, फिरोजाबाद, अलीगढ़, एटा, कासगंज, हाथरस, कानपुर नगर, कानपुर देहात, इटावा, औरैया, फर्रुखाबाद, कन्नौज, बहराइच, गोंडा, देवरिया, बलिया, जौनपुर, मीरजापुर, सोनभद्र एवं ललितपुर हैं।

68,500 शिक्षक-अभ्यर्थियों ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का आवास घेरा

लखनऊ । लखनऊ में शुक्रवार को 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया। उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के आवास का घेराव किया। अभ्यर्थी सड़क पर लेट गए। सिर पर 'आरक्षण घोटाला' लिखी टोपी पहनकर सीटी बजाई और नारे लगाए। प्रदर्शन करीब 35 मिनट तक चला। इस दौरान पुलिस और अभ्यर्थियों के बीच धक्का-मुक्की हुई। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें जबरन हटाया और बदसलूकी की। उनकी मांग है कि 2018 की भर्ती में आरक्षण का लाभ दिया जाए। साथ ही 5% छूट के आधार पर चयन सूची में बदलाव कर नई सूची जारी की जाए। अभ्यर्थियों ने कहा कि अब उन्हें नियुक्ति चाहिए, नहीं तो वे आंदोलन जारी रखेंगे। प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थियों ने 'ऐसी क्या मजबूरी है-आरक्षण की चोरी है' और 'पिछड़ा आयोग ने माना है-आरक्षण घोटाला है' जैसे नारे लगाए।

आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी के इंटर्न स्टूडेंट्स का भत्ता दोगुना

अब मिलेंगे 15 हजार रुपये, आयुर्वेद के 588

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को कैबिनेट की बैठक में राजकीय आयुर्वेदिक, यूनानी और होम्योपैथी मेडिकल कॉलेजों, संस्थानों और विश्वविद्यालयों से बीएएमएस, बीयूएमएस और बीएचएमएस परीक्षा उत्तीर्ण स्टूडेंट्स को रोटेटिंग इंटर्नशिप के दौरान दिए जाने वाले इंटर्नशिप भत्ते में वृद्धि के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

कैबिनेट के निर्णय के बाद अब बीएचएमएस, बीएएमएस और बीयूएमएस की इंटर्नशिप करने वाले स्टूडेंट्स के इंटर्नशिप भत्ते को 7,500 रुपये से बढ़ाकर 15,000 रुपये प्रतिमाह किया जाएगा। यानी इंटर्नशिप भत्ते में दोगुनी वृद्धि होगी। इस निर्णय का लाभ आयुर्वेद के 588, यूनानी के 150 और होम्योपैथी के 976 इंटर्न छात्र-छात्राओं को मिलेगा। प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक, यूनानी और होम्योपैथी मेडिकल कॉलेजों, संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों से बीएएमएस, बीयूएमएस और बीएचएमएस परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले स्टूडेंट्स के लिए रोटेटिंग इंटर्नशिप करना अनिवार्य होता है। इंटर्नशिप के दौरान स्टूडेंट्स राजकीय आयुर्वेदिक, यूनानी और होम्योपैथी मेडिकल कॉलेजों, संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों में मरीजों के उपचार में चिकित्सकीय सहयोग करते हैं। इसके साथ ही इंटर्न विद्यार्थियों द्वारा प्रतिदिन वार्ड, ओपीडी और रात्रि ड्यूटी में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया जाता है। फिलहाल प्रदेश के होम्योपैथी मेडिकल कॉलेजों और चिकित्सालयों में बीएचएमएस, आयुर्वेदिक एवं यूनानी मेडिकल कॉलेजों और चिकित्सालयों में बीएएमएस और बीयूएमएस की इंटर्नशिप करने वाले छात्र-छात्राओं को 7,500 रुपये प्रतिमाह इंटर्नशिप स्टाइपेंड मिलता था, जिसे बढ़ाकर अब 15,000 रुपये करने का निर्णय किया गया है।

प्रदर्शन : व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष बेहोश, मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग

आप कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प



तमसा संकेत, एजेंसी



व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मनोज मिश्रा प्रदर्शन के दौरान बेहोश हो गए।

स्वास्थ्य भवन चौराहे पर सड़क पर बैठे कार्यकर्ता

AAP कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्य भवन चौराहे पर सड़क पर बैठकर नारेबाजी की। वे चुनाव प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी और वोट चोरी का आरोप लगाते हुए विरोध कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार अपने पद से इस्तीफा दें।

> प्रदर्शन को देखते हुए स्वास्थ्य भवन चौराहे पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। पुलिस ने कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने से रोका। प्रदर्शन खत्म होने के बाद मौके पर स्थिति सामान्य करने के लिए पुलिस बल मौजूद रहा।

लखनऊ । लखनऊ में शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (AAP) ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। स्वास्थ्य भवन चौराहे पर कार्यकर्ता सड़क पर बैठकर नारेबाजी करने लगे। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त पर वोट चोरी का आरोप लगाते हुए इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने विधानसभा की ओर बढ़ने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, तो धक्का-मुक्की शुरू हो गई। इसके बाद पुलिस प्रदर्शनकारियों को घसीटते हुए और टांगकर मौके से ले गई। इस दौरान आम आदमी पार्टी के व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मनोज मिश्रा बेहोश हो गए। प्रदर्शन के बाद स्वास्थ्य भवन चौराहे पर पुलिस बल तैनात रहा। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने विधानसभा की ओर जाने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोका। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की हुई। पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को पकड़कर हटाया और घसीटते हुए व टांगकर वहां से ले गए।



पुलिस ने कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

वृंदावन योजना में 7.06 एकड़ में विकसित होगा सिटी बस टर्मिनल

इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के लिए बनेगा समर्पित टर्मिनल

तमसा संकेत, संवाददाता

- लखनऊ में 265 करोड़ से बनेगा आधुनिक इंटीग्रेटेड बस टर्मिनल, यात्रियों को मिलेगा एयरपोर्ट जैसा अनुभव
- बस टर्मिनल पर 60 करोड़ और वाणिज्यिक सुविधाओं के विकास पर खर्च होंगे 205 करोड़ रुपये
- टिकट काउंटर, प्रतीक्षालय, चार्जिंग स्टेशन, रेस्तरां, दुकानें और एटीएम समेत मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को कैबिनेट बैठक में लखनऊ की वृन्दावन योजना स्थित पी-4 पार्किंग में एकीकृत सिटी बस टर्मिनल और वाणिज्यिक क्षेत्र सुविधाओं का पीपीपी मोड पर विकास कराए जाने का निर्णय लिया गया है। परियोजना की कुल लागत करीब 265 करोड़ रुपये होगी। इससे शहर में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के लिए अतिरिक्त टर्मिनल उपलब्ध होगा और यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं मिल सकेंगी। आधुनिक सुविधाओं से युक्त इस टर्मिनल को इस तरह विकसित किया जाएगा, जिससे यात्रियों को एयरपोर्ट जैसा अनुभव मिल सके।

नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने कहा कि वर्तमान में लखनऊ में 116 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन दुबग्गा डिपो से किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त 300 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की प्रक्रिया भी चल रही है। प्रस्तावित बसों के संचालन के लिए अतिरिक्त समर्पित टर्मिनल की आवश्यकता को देखते यह निर्णय लिया गया है। इसकी अनुमानित लागत में 60 करोड़ रुपये बस टर्मिनल और 205 करोड़ रुपये वाणिज्यिक सुविधाओं के विकास पर खर्च होंगे। इसमें भूमि की लागत शामिल नहीं है। परियोजना का कुल क्षेत्रफल लगभग 7.06 एकड़ है। टर्मिनल में बस-वे, बस पार्किंग, इलेक्ट्रिक बसों के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, मरम्मत सुविधाएं, कर्मचारियों के विश्राम कक्ष, प्रशासनिक कार्यालय और सुरक्षा कक्ष बनाए जाएंगे। यात्रियों के लिए टिकट काउंटर, पूछताछ केंद्र, प्रतीक्षालय और सामान रखने की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

मेरठ में ब्यूटीशियन बोली-अब बहुत याद आ रही, पछतावा हो रहा, प्रेमी के साथ मिलकर की थी वारदात

'पति की हत्या की, मुझे फांसी हो'

पछतावा

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ । 'मैंने प्रेमी को बुलाया और पति को खाने में नशीली दवा दी। फिर प्रेमी ने दुपट्टे से उसका गला घोंट दिया। मुझे अब पति की बहुत याद आ रही है। पछतावा हो रहा है। मैंने गलत किया। कानून से गुजारिश है कि मुझे भी फांसी की सजा दी जाए।' ये बातें मेरठ की ब्यूटीशियन पत्नी इल्मा ने बातचीत में कबूल कीं। मामला 28 सितंबर का है। पति की हत्या के बाद इल्मा ने परिवार को फोन कर मौत हार्ट अटैक से होने की बात बताई। परिवार ने शव दफना दिया। 5 अक्टूबर को मृतक का मोबाइल मिलने के बाद परिजनों को पत्नी पर शक हुआ। सख्ती से पूछताछ करने पर इल्मा ने हत्या की बात कबूल कर ली। 10 दिन बाद गुरुवार को पुलिस ने कब्र खोदकर शव बाहर निकलवाया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। इल्मा ने बताया- " 28 सितंबर की दोपहर करीब 3:30 बजे तालिब काम से घर लौटे थे। उस वक्त मैं मकान मालिक के बेटे की बहू का फेशियल करने गई थी। तालिब का फोन आया तो कुछ देर बाद मैं घर लौट आई। घर पहुंची तो तालिब और उनका भतीजा शारिक लेटे हुए थे। तालिब ने मुझसे आटा गूंथकर रोटी बनाने को कहा। मैंने रोटी बनाई। इसके बाद काम को लेकर हम दोनों में झगड़ा हो गया। तालिब ने मुझे खूब पीटा। मैं दूसरे कमरे में जाकर बैठ गई।

कुछ देर बाद तालिब मुझे बुलाने आए। इसके बाद हम दोनों के बीच फिर झगड़ा होने लगा।"

इल्मा बताती है- "तालिब बेसुध थे। अमन के दोस्त ने उनके हाथ पकड़े और मैंने पैर। इसके बाद अमन ने दुपट्टे से तालिब का गला घोंट दिया। अमन से मेरी मुलाकात करीब 13-14 महीने पहले 60 फुटा चौराहे पर हुई थी। उसने मुझे अपना नंबर दिया था और पार्लर में नौकरी लगवाने की बात कही थी।



इल्मा बोली- पता नहीं अचानक मुझे क्या हो गया था

इल्मा से जब पूछा गया कि करीब 14 महीने पहले अमन से जान-पहचान के बाद उसने 4 साल पुराने निकाह और पति के भरोसे को क्यों तोड़ा और हत्या क्यों की, तो उसने कहा- "मुझे खुद नहीं पता कि मुझे क्या हो गया था। पति को जान से मारने का मेरा पहले कोई इरादा नहीं था, लेकिन अचानक ये सब हो गया।"

4 साल पहले शादी हुई थी, दोनों की 1 बेटी

मुजफ्फरनगर के रसूलपुर-दभेड़ी गांव निवासी जुल्फिकार के बेटे तालिब (30) की शादी 4 साल पहले मेरठ के ब्रह्मपुरी इलाके में अंजुम पैलेस निवासी मोमिन की बेटी इल्मा (27) से हुई थी। दोनों की 3 साल की बेटी है। तालिब राजमिस्त्री का काम करता था। शादी के बाद वह पत्नी के साथ मेरठ की जाकिर नगर कॉलोनी में किराए के मकान में रह रहा था। इल्मा पास में स्थित सिग्नेचर स्टाइल ब्यूटी स्टूडियो में काम करती थी।

'पति ने गला दबाया तो प्रेमी को कॉल कर बुलाया'

इल्मा बताती है- "झगड़े के बाद मैंने प्रेमी अमन को फोन किया। उसे बताया कि तालिब मुझे मार रहे हैं और जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। कई बार मेरा गला भी दबाया। अमन ने फोन पर कहा कि वह आ रहा है और आने के बाद तालिब को ठिकाने लगा देगा।

इसके बाद मैंने तालिब को खाना दिया। उसमें नशीली दवा मिला दी थी। कुछ देर बाद अमन घर आया। उसके साथ उसका एक दोस्त भी था।"



मुजफ्फरनगर के तालिब की शादी मेरठ की रहने वाली इल्मा के साथ 4 साल पहले हुई थी।

निर्विरोध राज्यसभा सांसद बने रामप्रताप सिंह

समर्थकों ने फूल-माला पहनाकर किया स्वागत

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। भाजपा ने आगरा के वरिष्ठ नेता और प्रदेश महामंत्री रामप्रताप सिंह चौहान को राज्यसभा चुनाव में निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। उनके राज्यसभा सांसद बनने पर समर्थकों में जश्न का माहौल है। आगरा से बड़ी संख्या में समर्थक लखनऊ पहुंचे हैं। उन्होंने फूल माला पहनाकर उनका स्वागत किया। आगरा भाजपा में खुशी की लहर है। चौहान वर्तमान में भाजपा के प्रदेश महामंत्री हैं और उन्हें संगठन में लंबे अनुभव वाले नेताओं में गिना जाता है। जून 2026 में घोषित भाजपा की नई प्रदेश टीम में उन्हें लगातार दूसरी बार प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी मिली थी।

रामप्रताप सिंह चौहान का राजनीतिक सफर भाजपा संगठन से जुड़कर आगे बढ़ा। वर्ष 1991 से 1994 के बीच उन्होंने भाजयुमो में मंडल अध्यक्ष के रूप में काम किया। इसके बाद भाजयुमो के महानगर अध्यक्ष, ब्रज प्रांत प्रभारी और प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली। वर्ष 2006-07 में भाजपा जिलाध्यक्ष, 2007 से 2012 तक ब्रज क्षेत्र महामंत्री और 2013 से 2016 तक प्रदेश मंत्री रहे। वर्ष 2017 में उन्होंने एत्मादपुर विधानसभा सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव जीता और पहली बार विधायक बने। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने उन्हें टिकट नहीं दिया। इसके बाद वर्ष 2023 में उन्हें प्रदेश महामंत्री बनाया गया। 2026 में पार्टी की नई प्रदेश कार्यकारिणी में भी उन्हें दोबारा प्रदेश महामंत्री बनाया गया।



फास्ट न्यूज

कोबुडो मार्शल आर्ट्स में नई नियुक्तियां

कानपुर । कोबुडो मार्शल आर्ट्स एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश ने संगठन के विस्तार और युवाओं में आत्मरक्षा व खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण पदों पर नई नियुक्तियां की हैं। विक्रमाजीत सिंह सनातन धर्म कॉलेज, नवाबगंज के सेल्फ-फाइनेंस डायरेक्टर डॉ. अंशु सिंह सेंगर को एसोसिएशन का कार्यकारी अध्यक्ष और शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष डॉ. विपेन्द्र सिंह परमार को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

जेल में दवा कारोबारी का बेटा बोला- काम नहीं करूंगा

कानपुर। कानपुर के करोड़पति दवा कारोबारी विनीत मिनोचा मर्डर केस में जेल में बंद बेटे का अब नया ठिकाना बैरक नंबर-12 होगा। वह 24 सितंबर को जेल लाया गया था। 14 दिन तक मुलाहिजा बैरक में रहने के बाद नाम के अल्फाबेट के मुताबिक सुब्रत को 12 नंबर बैरक में शिफ्ट किया गया है।

इस दौरान सुब्रत ने अपनी तबीयत खराब होने का हवाला देकर जेल प्रशासन से काम करने से इनकार कर दिया। सुब्रत ने हत्या की बात पुलिस से कबूली थी। बताया था कि पिता के कई लड़कियों से अवैध संबंध थे।

केडीए के फ्लैट का फर्श धंसा

कानपुर । कानपुर विकास प्राधिकरण के शताब्दी नगर स्थित हिमालय भवन के बी-ब्लॉक में एक फ्लैट का फर्श अचानक धंस गया। घटना रात करीब दो बजे की है। उस समय परिवार के सदस्य कमरे में सो रहे थे। अचानक फर्श का एक हिस्सा करीब दो फीट नीचे धंसने से बेड एक तरफ झुक गया। तेज हलचल के बीच परिजन घबरा गए और आनन-फानन में फ्लैट से बाहर निकल आए।

कानपुर में हाथों में मशाल लेकर दौड़े दंगाई

'गांधी एंड माय मदर' फिल्म की शूटिंग

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर की सड़कों पर गुरुवार रात जलती मशाल और हंसिया लेकर भीड़ दौड़ रही थी। लोग चिल्ला रहे थे- 'मार दो'। चारों तरफ सन्नाटा पसरा था और लोग घरों में छिपे थे। यह कोई हकीकत नहीं, बल्कि धनकुट्टी में फिल्म 'गांधी एंड माय मदर' की शूटिंग का दृश्य था। फिल्म 1940 के दशक में बंगाल में हुई हिंसा पर आधारित है।

उस दौर को पर्दे पर जीवंत दिखाने के लिए दंगे के बाद उजड़े घर का सेट तैयार किया गया। दुकानों के बोर्ड और बैनर बांग्ला भाषा में बदल दिए गए। शूटिंग में 1940 के दौर की मिलिट्री जीप के साथ ब्रिटिश ब्रांड की मॉरिस माइनर कार का भी इस्तेमाल किया जाएगा। गुरुवार शाम 6 बजे शुरू हुई शूटिंग शुक्रवार सुबह 5 बजे तक अलग-अलग लोकेशन पर चली। फिल्म का निर्देशन सुधीर मिश्रा कर रहे हैं। इसमें मनोज बाजपेयी गांधी जी की भूमिका निभा रहे हैं। अभिनेता सौरभ शुक्ला और अभिनेत्री दिव्या दत्ता भी फिल्म का हिस्सा हैं। शुक्रवार को शूटिंग का आखिरी दिन होगा। फिल्म के एक दृश्य में दंगे के बाद एक नौजवान घर के भीतर दाखिल होता है। आंगन में सामान बिखरा है, मटका टूटा पड़ा है और चारपाई पलटी हुई है। आसपास घर के पांच सदस्यों के शव पड़े हैं। इस दृश्य को फिल्माने के लिए टीम को पांच बार रीटेक लेना पड़ा।



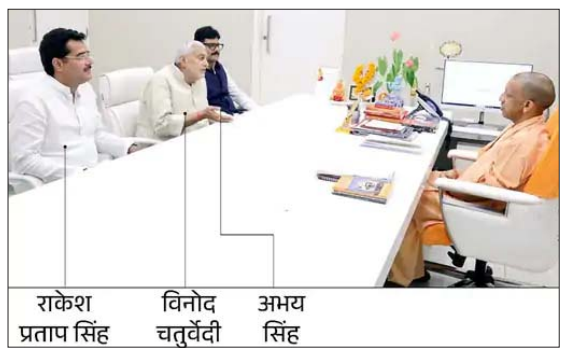
14 अक्टूबर को अमेठी में कार्यक्रम, राकेश सिंह बोले- राम और राष्ट्र द्रोहियों के साथ नहीं चल सकते

सपा के बागी 4 विधायक भाजपा में शामिल होंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

अमेठी जिला । समाजवादी पार्टी के बागी विधायक राकेश प्रताप सिंह 14 अक्टूबर को भाजपा में शामिल होंगे। गुरुवार को उन्होंने खुद इसका ऐलान किया।

राकेश सिंह साथ सपा के 3 और बागी विधायक बाहुबली अभय सिंह, राकेश पांडेय और विनोद चतुर्वेदी भी भाजपा की सदस्यता लेंगे। अभय अयोध्या की गोसाईंगंज सीट, राकेश पांडेय अंबेडकरनगर की जलालपुर और विनोद जालौन की कालपी विधानसभा के विधायक हैं। इन चारों विधायकों ने 2022 में सपा के टिकट पर चुनाव जीता था। लेकिन 2024 में राज्यसभा चुनाव में भाजपा कैंडिडेट को वोट किया था। दोपहर 12 बजे मीडिया से राकेश सिंह ने कहा- जो राम और राष्ट्र का नहीं, उसके साथ नहीं चल सकते। बताया कि गौरीगंज में होने वाले कार्यक्रम में पूर्व सांसद स्मृति ईरानी और प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी समेत भाजपा के कई नेता मौजूद रहेंगे। 4 अक्टूबर को हजारों कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी की सदस्यता ली जाएगी। भाजपा अमेठी के गौरीगंज में 21 साल बाद 2027 में जीत दर्ज करेगी।



विधायक राकेश सिंह, अभय सिंह और विनोद चतुर्वेदी ने हाल ही में सीएम योगी से मुलाकात की है।

राकेश प्रताप सिंह बोले- धर्म विरोधी राजनीति नहीं कर सकता

भाजपा में शामिल होने के फैसले पर गौरीगंज विधायक राकेश प्रताप सिंह ने कहा- मैं समाजवादी पार्टी का तीन बार विधायक रहा हूं। करीब तीन साल पहले सपा में रहते हुए ही मैंने अपनी आपत्ति जताई थी। मैंने कहा था कि हम राजनीति में धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने या धर्म से जुड़े मुद्दों पर बहस करने के लिए नहीं आए हैं। हम यूपी के विकास, गरीबों और वंचितों की मदद के लिए राजनीति में आए हैं। लेकिन मेरी बातों को अनसुना कर दिया गया। मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सका, इसलिए मैंने बगावत कर दी। मैं ऐसे लोगों के साथ राजनीति नहीं कर सकता, जो धर्म के प्रति शत्रुता रखते हैं। मेरे लिए यह मामला न तो टिकट का है और न ही विधायक पद का। मैंने इन सब बातों से ऊपर उठकर यह फैसला लिया है।



पार्टी व्हिप का उल्लंघन किया, अखिलेश ने 3 को निकाला

यूपी में फरवरी 2024 में राज्यसभा चुनाव में सपा के 7 विधायकों ने पार्टी लाइन के खिलाफ जाकर भाजपा के उम्मीदवारों के पक्ष में क्रॉस वोटिंग की थी। इस घटना ने सपा को बड़ा झटका दिया था। इस वजह से सपा का तीसरा राज्यसभा उम्मीदवार हार गया था। जबकि भाजपा के सभी 8 राज्यसभा उम्मीदवारों की जीत हुई थी। क्रॉस वोटिंग करने वाले विधायकों में अभय सिंह, राकेश प्रताप सिंह, मनोज पांडेय, पूजा पाल, विनोद चतुर्वेदी, आशुतोष मौर्य और राकेश पांडेय शामिल थे।

5 नवंबर को वोटिंग, 19 दिन से छात्र धरना दे रहे थे, 8 साल बाद होगा छात्र संघ बहाल

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में छात्र संघ चुनाव का ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़ । अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में छात्र संघ चुनाव का ऐलान कर दिया गया है। 5 नवम्बर को छात्रसंघ के विभिन्न पदों के लिए वोटिंग होगी और उसी दिन मतगणना के बाद परिणाम भी घोषित कर दिए जाएंगे। 2018 में आखिरी बार यहां छात्र संघ चुनाव हुए थे।

दरअसल, 19 दिनों से चुनाव के लिए छात्रों का धरना चल रहा था। कुलपति प्रो.नईमा खातून शुक्रवार को धरनास्थल पर पहुंची और छात्र संघ चुनाव कराने सहित अन्य सभी मांगों को मान लिया। कुलपति ने प्रॉक्टर प्रो.मोहम्मद नावेद खान हटाने और नफीस अहमद को प्रॉक्टोरियल बोर्ड की जिम्मेदारी सौंपने का भी ऐलान किया। उन्होंने भूख हड़ताल पर बैठे छात्र यासिर फहद को जूस पिलाकर अनशन खत्म कराया। इसके बाद छात्रों ने आंदोलन को समाप्त करने का ऐलान किया। विवि कैंपस में छात्र 21 अक्टूबर से छात्रसंघ बहाली, चुनाव कराने, निलंबित छात्र यासिर फहद की बहाली, प्रॉक्टर को हटाने और आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमों की वापसी को लेकर धरना दे रहे थे। उधर, छात्र संघ चुनाव बहाली के बाद छात्र जश्न मना रहे हैं। AMU के चुनाव अधिकारी प्रो. जावेद तालिब की ओर से छात्रसंघ चुनाव 2026-27 का कार्यक्रम जारी किया गया है। 5 नवंबर को मतदान होगा और उसी दिन शाम 7 बजे से मतगणना शुरू होगी। मतगणना चुनाव परिणाम घोषित होने तक जारी रहेगी।



यूपी के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में छात्रसंघ चुनाव 2007 से बंद है। हालांकि, गोरखपुर विश्वविद्यालय और इलाहाबाद विश्वविद्यालय सहित कुछ विश्वविद्यालयों में 2016-2018 के बीच छात्र संघ चुनाव कराए गए। लेकिन इसके बाद किसी भी विवि या कॉलेज में चुनाव नहीं कराए गए। विभिन्न छात्र संगठन लगातार चुनाव कराने की मांग कर रहे थे। अब अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में छात्र संघ चुनाव कराने के ऐलान के बाद अन्य विश्वविद्यालयों में भी चुनाव कराने की मांग उठने की संभावना है। धरना स्थल डक पॉइंट पर धरना खत्म होने की खुशी में छात्र-छात्राओं पर जश्न-ए-इंकलाब का रंग चढ़ने लगा है। पूर्व छात्र और सिंगर हैदर सेफ छात्रों के जश्न में शामिल हुए हैं।

गुरुवार भोर तक प्रशासन करता रहा बातचीत

छात्रों के आंदोलन को खत्म कराने के लिए गुरुवार रात कुलपति आवास पर छात्र प्रतिनिधिमंडल और विश्वविद्यालय प्रशासन के बीच वार्ता हुई थी। बातचीत रात करीब 3 बजे तक चली, लेकिन प्रॉक्टर को हटाने के मुद्दे पर सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद छात्र प्रतिनिधिमंडल वार्ता से बाहर आ गया। छात्रों ने स्पष्ट कर दिया कि मांगें पूरी हुए बिना आंदोलन खत्म नहीं किया जाएगा।



छात्रों ने पुशअप करके जश्न मनाया।

> शुक्रवार सुबह प्रशासन ने फिर पहल की। कुलपति प्रो. नईमा खातून खुद धरनास्थल पर पहुंचीं और छात्रों से बातचीत की। इस बार प्रॉक्टर को हटाने समेत प्रमुख मांगों पर सहमति बन गई। इसके बाद छात्रों ने आंदोलन समाप्त कर दिया।

आगरा के 1,351 एनएचएम कर्मचारी हड़ताल पर

जिला अस्पताल में कई डॉक्टर गायब

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा में नियमितीकरण और समान कार्य-समान वेतन की मांग को लेकर उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ ने गुरुवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी। कर्मचारियों ने कार्य बहिष्कार करते हुए सीएमओ कार्यालय पर धरना दिया और नारेबाजी की। हड़ताल के पहले दिन ही जिले की स्वास्थ्य सेवाएं बेपटरी हो गईं। संघ के जिला अध्यक्ष देवी प्रसाद कुशवाहा ने बताया कि जिले में एनएचएम के 1351 कर्मचारी तैनात हैं। इसमें 120 डॉक्टर, 180 टेक्नीशियन, 40 फार्मासिस्ट और बाकी तृतीय-चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हैं। सभी बिना किसी भेदभाव के काम कर रहे हैं, लेकिन मानदेय में भारी अंतर है। किसी को 10 हजार तो किसी को 18 हजार मिल रहा है। महंगाई के दौर में इतने कम वेतन में काम करना संभव नहीं है।

उन्होंने बताया कि 8 और 9 अक्टूबर को हड़ताल आगरा में रहेगी। इसके बाद 12 अक्टूबर को सभी कर्मचारी लखनऊ कूच करेंगे। जब तक मांगे पूरी नहीं होंगी, हड़ताल जारी रहेगी।

जिले में NHM के तहत 1,351 डॉक्टर और अन्य कर्मचारी तैनात हैं। जिला अस्पताल में भी बड़ी संख्या में NHM के डॉक्टर सेवाएं देते हैं। हड़ताल के चलते हृदय रोग, जेरियाट्रिक, आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी और फिजियोथेरेपी समेत कई विभागों में डॉक्टर नहीं बैठे।



पृष्ठ 01 का शेष...

जीएसटी से पहले के...

पुलिस, वन, कारागार और परिवहन विभाग में अग्निवीरों की नियुक्ति की जाएगी। अग्निवीरों को उम्र में तीन साल की छूट दी जाएगी। अग्निवीरों को 25 की जगह 28 साल तक भर्ती का मौका मिलेगा। इसके साथ ही उन्हें लिखित परीक्षा और शारीरिक परीक्षा नहीं देनी होगी। उन्हें केवल मेडिकल कराना होगा। कहा कि वह पहले से ही लिखित परीक्षा और शारीरिक परीक्षा देकर अग्निवीर बने होते हैं, ऐसे में ये दोनों परीक्षा नहीं देनी होगी। इन्हें चारों विभाग में सिपाही भर्ती के लिए 20 प्रतिशत का आरक्षण मिलेगा।

उत्तर प्रदेश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन को मंजूरी। इसके लिए तीन कमेटियाँ बनेंगी।एपेक्स कमेटी मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होगी। एक मुख्य सचिव और दूसरी प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में होगी। एक आईएएस सरकारी अधिकारी सीईओ होगा। एसीईओ और अन्य पद भी स्वीकृत होंगे। प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने बताया कि सभी पचहत्तर जिलों में एआई केंद्र खोले जाएंगे और वहां एआई फेलों की तैनाती की जाएगी।

भदोही जिले का नाम बदलने पर मुहर लगा दी गई। जिले के नाम में अब संत-विदास का नाम भी होगा और भदोही भी होगा। जिले का पूरा नाम संत रविदास नगर भदोही होगा।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को एक अतिरिक्त साड़ी मिलेगी। 3.90 लाख को साड़ी की व्यवस्था होगी।जीएसटी की ब्याज माफी योजना को भी मंत्रिपरिषद की मंजूरी मिल गई है। इसके साथ ही आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी मेडिकल कॉलेजों और संस्थानों से बीएएमएस, बीयूएमएस और बीएचएमएस परीक्षा उत्तीर्ण करने वालों के इंटर्नशिप भत्ता में बढ़ोतरी की गई है। भत्ता दोगुना करते हुए 7500 से बढ़ाकर 15000 किया गया है।

'दिमागी नक्सलियों...

शुभेंदु ने वामपंथियों, 'दिमागी नक्सलियों' और कथित राष्ट्रविरोधी ताकतों को चुन-चुनकर उनकी जड़ें उखाड़ फेंकने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने जादवपुर विश्वविद्यालय में आजादी के नारे लगाए जाने का जिक्र करते हुए उन्हें देशद्रोही बताया और कहा कि अब घर बैठने का समय नहीं है, बल्कि सड़क पर उतरकर उनका विरोध करना होगा।

शुभेंदु ने कहा कि केंद्र सरकार ने जादवपुर विश्वविद्यालय को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए एक हजार करोड़ रुपये की सहायता दी है। उन्होंने एबीवीपी के साथ मिलकर राज्य में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने की भी बात कही।

सम्मेलन में आरजी कर मामले की पीड़ित की मां और पानीहाटी की विधायक रत्ना देबनाथ ने सेमिनार हाल के पास स्थित कमरे और शौचालय में घटना के बाद तोड़फोड़ व मरम्मत कराए जाने को लेकर सवाल उठाए।

मक्खी मारने के...

वहीं, इंडिया गेट के आसपास 4 किमी के दायरे में आज रात 10 बजे से कल रात 10 बजे तक इंटरनेट बंद रहेगा।

कॉकरोच जनता पार्टी के कल के प्रदर्शन को देखते हुए। जनपथ-कर्तव्यपथ क्रॉसिंग के 4 किमी के दायरे में आज रात 10 बजे से कल रात 10 बजे तक इंटरनेट बंद रहेगा। दिल्ली पुलिस ने टेलीकॉम कम्पनियों को पत्र लिखकर नेट बंद करने के लिए कहा है।

नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे ने दो दिन के लिए दिल्ली जाने वाली 13 ट्रेन रद्द कर दी हैं। जम्मू-कश्मीर रेलवे स्टेशन में लोगों की भारी भीड़ है। सभी ट्रेन की इंतजार में बैठे हैं। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले हरियाणा में सख्ती बढ़ा दी गई है। पानीपत से दिल्ली तक रेलवे स्टेशनों के बाहर नाके लगाए गए हैं। टिकरी, बदरपुर, कापसहेड़ा और सिंघु बॉर्डर पर वाहनों की तलाशी के बाद ही आगे जाने दिया जा रहा है।

प्रदर्शन में शामिल होने दिल्ली जा रहे पानीपत में कांग्रेस के पूर्व विधायक बलवीर वाल्मीकि को पुलिस ने रास्ते में डिटेन कर लिया।

वर्ल्डस्किल्स...

पीएम ने प्रतिभागियों से अपने अनुभव और सुझाव सरकार के साथ साझा करने को कहा, ताकि देश की कौशल प्रशिक्षण व्यवस्था को मजबूत किया जा सके। उन्होंने युवाओं, सरकार और प्रशिक्षण संस्थानों के मिलकर काम करने पर जोर दिया।

'ज्ञानेश नहीं, सरकार...

वर्तमान में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, ममता बनर्जी, मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई बड़े विपक्षी नेता सेंट्रल हॉल में मीटिंग कर रहे हैं। संसद के सेंट्रल हॉल में चल रही विपक्षी सांसदों की बैठक खत्म हो चुकी है। विपक्षी सांसद उनसे मिलने के लिए राष्ट्रपति भवन की तरफ आगे बढ़ रहे हैं। राहुल गांधी सभी का नेतृत्व करते हुए नजर आ रहे हैं। वहीं, सभी नेता 'वोट चोर गद्दी छोड़' के नारे लगा रहे हैं।

राहुल गांधी ने इंडिया गठबंधन की बैठक में कहा कि केवल ज्ञानेश कुमार को बर्खास्त करने से काम नहीं करने से काम नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि इस सरकार को बर्खास्त करना होगा।

विपक्षी नेताओं के साथ बैठक कर रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मोर्चा खोला। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार को हमसे मिलना होगा। चुनावी नतीजों पर अभी भी किसी को भरोसा नहीं है। महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनावी नतीजों पर सवाल बना हुआ है। मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ चल रहे विपक्षी सांसदों की बैठक में जम्मू-कश्मीर सीएम उमर अब्दुल्ला भी पहुंचे। हालांकि, वह थोड़ा देर से वहां पहुंचे।

विपक्षी सांसदों के साथ बैठक के दौरान लोकसभा नेता विपक्ष राहुल गांधी ने पूर्व पीएम जवाहर लाल नेहरू के भाषण को याद किया। उन्होंने कहा, "जवाहरलाल नेहरू ने एक बहुत मशहूर भाषण दिया था। यह भाषण 14 अगस्त 1947 को संसद के सेंट्रल हॉल में दिया गया था। मैं इसमें से कुछ हिस्सा बताना चाहता हूं। यह भारत, पूरे एशिया और दुनिया के लिए एक अहम पल है। एक नया सितारा उदय हो रहा है। पूरब में आजादी का सितारा, एक नई उम्मीद जगी है। एक लंबे समय से संजोया गया सपना सच हो रहा है। यह सितारा कभी अस्त न हो और वह उम्मीद कभी टूटे नहीं।"

नंदीग्राम में भाजपा...

हसीरानी ने 1,22,753 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। यह 1967 के सीट के अस्तित्व में आने के बाद जीत का सबसे बड़ा अंतर है।

इससे पहले सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड 2016 में शुभेंदु अधिकारी के नाम था। तब उन्होंने TMC के टिकट पर CPI के अब्दुल कबीर शेख को 81,230 वोटों से हराया था। तमिलनाडु की दोनों सीटें हारने के बाद DMK के एमके स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु उपचुनाव लोकतंत्र की खुली हत्या थे। BJP ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद ज़िले की रेजीनगर विधानसभा सीट 75,816 वोटों के अंतर से जीती। मुस्लिम-बहुलता वाली इस सीट में यह BJP की एक बड़ी कामयाबी है।

BJP उम्मीदवार सरकार को 1,29,914 वोट मिले। उन्होंने आम जनता उन्नयन पार्टी (AJUP) के उम्मीदवार गुलाम नबी आजाद को हराया, जिन्हें 54,098 वोट मिले। BJP को लगभग 63.14% वोट मिले, जबकि आजाद को 26.29% वोट मिले।

मिस्टर मस्क भारत...

भारत एक आजाद लोकतंत्र है, किसी का गुलाम (कॉलोनी) नहीं। हम दुनिया के हर निवेशक और तकनीक का स्वागत करते हैं, लेकिन भारत का भविष्य केवल और केवल भारत की जनता तय करेगी। न कि पश्चिमी स्वार्थी तत्व, उनके दोहरे मापदंड या कोई भी अरबपति।

इससे पहले मस्क के सवाल पर राहुल गांधी ने जवाब देते हुए X पर लिखा- भारत में आपका स्वागत है, इलॉन। दूसरे शख्स के मिलने तक इंतजार कीजिए। राहुल गांधी के जवाब पर इलॉन ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा- धन्यवाद, राहुल। यह वाकई परेशान करने वाला है।

पिछले एक साल में 32 क्रिकेटर चोटिल, मैनचेस्टर टेस्ट में पंत की हड्डी टूटी थी

बीसीसीआई ने रोहित शर्मा के रिहैब की जानकारी छिपाई

दावा

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने IPL 2026 के बाद हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरने के लिए बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) में रिहैब किया था, लेकिन BCCI ने इसकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की। यह दावा TOI ने CoE की सालाना रिपोर्ट के हवाले से किया है। अप्रैल 2025 से मार्च 2026 के बीच टीम इंडिया के 32 क्रिकेटर्स ने CoE में रिहैब किया है। इनमें BCCI के 20 सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वाले और 12 टार्गेटेड/इंडिया-A कैटेगरी



हार्दिक ने इसी साल मार्च में टी-20 वर्ल्ड कप में आखिरी बार भारत के लिए खेला था।

खिलाड़ी हैं। खिलाड़ियों को हुई चोटों में इकलौता गंभीर मामला (इम्पैक्ट इंजरी) ऋषभ पंत का था। जुलाई 2025 में इंग्लैंड के मैनचेस्टर में खेले गए टेस्ट मैच के दौरान उनके पैर की हड्डी टूट (फ्रैक्चर) गई थी।

वे रिकवरी के लिए CoE (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस)

आईपीएल 2026 के बाद हर सीरीज में कम से कम दो खिलाड़ी चोटिल

IPL 2026 के बाद CoE में रिहैब कराने वाले खिलाड़ियों की संख्या बढ़ी है। इसके बाद से हर सीरीज में कम से कम दो खिलाड़ियों के चोटिल होने की बात कही गई है। CoE की स्पोर्ट्स साइंस एंड मेडिसिन (SSM) टीम ने अप्रैल 2025 से मार्च 2026 के बीच महिला और पुरुष मिलाकर कुल 68 खिलाड़ियों की चोटों का इलाज और मैनेजमेंट किया।

पहुंचे थे। बाकी खिलाड़ियों को



हार्दिक, राणा और रेड्डी ने 18 महीने में 4-4 महीने सीओई में बिताए

हार्दिक पांड्या, हर्षित राणा और नीतिश कुमार रेड्डी ने पिछले 18 महीनों में कम से कम 4-4 महीने CoE में बिताए। रिपोर्ट के मुताबिक, तीनों खिलाड़ी बार-बार चोटिल होने के कारण रिहैब के लिए पहुंचे। इनके अलावा जसप्रीत बुमराह, वाशिंगटन सुंदर और प्रसिद्ध कृष्णा भी बार-बार चोट से जूझने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं। 30 सितंबर तक भारतीय खिलाड़ियों की सूची में विराट कोहली, वरुण चक्रवर्ती, प्रिंस यादव और हर्ष दुबे के नाम भी शामिल थे। हालांकि, रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया कि हर खिलाड़ी कितनी बार CoE पहुंचा।

ज्यादातर मांसपेशियों में खिंचाव या तनाव (सॉफ्ट-टिश्यू इंजरी) जैसी समस्याएं ही हुई थीं।

एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी से पाकिस्तान ने नाम वापस लिया

न्यूट्रल वेन्यू पर मैच कराने की मांग खारिज

नई दिल्ली। भारत में 27 अक्टूबर से होने वाली एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी 2026 से पाकिस्तान ने नाम वापस ले लिया है। पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन (PHF) ने दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव का हवाला देते हुए अपने मैच न्यूट्रल वेन्यू पर कराने की मांग की थी।

भारत ने टूर्नामेंट को दूसरे देश में कराने से इनकार कर दिया। इसके बाद पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश को 6 टीमों के इस टूर्नामेंट में शामिल किया गया है। प्रतियोगिता 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में खेली जाएगी।

पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने एशियन हॉकी फेडरेशन (AHF) से अपने मैच भारत से बाहर कराने का अनुरोध किया था। PHF का कहना था कि मौजूदा राजनीतिक तनाव के बीच उसके खिलाड़ियों की सुरक्षा और सम्मान प्राथमिकता है।

पाकिस्तान ने यह भी कहा था कि



उसकी टीम इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन (FIH) से जुड़ी किसी भी टीम, यहां तक कि भारत के खिलाफ भी खेलने को तैयार है, लेकिन मुकाबले न्यूट्रल वेन्यू पर होने चाहिए। इससे पहले ऐसी खबरें आई थीं कि पाकिस्तान की टीम का भारत दौरा उसकी सरकार से मंजूरी मिलने पर निर्भर था।

भारत ने पाकिस्तान की मांग स्वीकार नहीं की और टूर्नामेंट को तय कार्यक्रम के मुताबिक आयोजित करने का रुख अपनाया। इसके बाद पाकिस्तान ने प्रतियोगिता से हटने का फैसला किया। एशियन हॉकी फेडरेशन ने उसकी जगह बांग्लादेश को शामिल किया।

भारत से सीरीज से पहले न्यूजीलैंड के 2 खिलाड़ी चोटिल

चैपमैन और फाउल्क्स की जगह टिकनर-क्लार्कसन को मौका

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के खिलाफ पांच मैचों की T20I सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को 2 खिलाड़ी चोटिल हो गए हैं। इनमें मार्क चैपमैन और जैक फाउल्क्स शामिल हैं। दोनों को सीरीज से बाहर कर दिया गया है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट (NZC) ने शुक्रवार को बताया कि चैपमैन की बाईं हैमस्ट्रिंग और फाउल्क्स के दाएं हिप फ्लेक्सर में चोट लगी है। ऑलराउंडर जोश क्लार्कसन और तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर को टीम में शामिल किया है। टी-20 सीरीज 22 अक्टूबर से शुरू होगी।

मार्क चैपमैन को यूरोपियन T20 प्रीमियर लीग (ETPL) के पहले सीजन में खेलते समय बाईं हैमस्ट्रिंग में चोट लगी। हालांकि, पांच मैचों की ODI सीरीज में उनकी वापसी



की उम्मीद है। जैक फाउल्क्स को कैंटरबरी के साथ ट्रेनिंग सेशन के दौरान दाएं हिप फ्लेक्सर में चोट लगी। उनकी वापसी का समय अभी तय नहीं है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अभी यह नहीं बताया है कि फाउल्क्स कब तक वापसी करेंगे।

न्यूजीलैंड के हेड कोच रॉब वाल्टर ने भारत के खिलाफ चुनौतीपूर्ण सीरीज से पहले जोश क्लार्कसन और ब्लेयर टिकनर की वापसी पर खुशी जताई। वाल्टर ने कहा, 'मार्क और जैक के लिए मुझे बहुत दुख है। मैं दोनों के जल्द ठीक होने की कामना करता हूं।'उन्होंने कहा, 'हम खुशकिस्मत हैं कि जोश और ब्लेयर के अनुभव का फायदा उठा सकते हैं। मुझे पता है कि दोनों उस सीरीज का हिस्सा बनने को लेकर उत्साहित हैं, जो शानदार T20 सीरीज बनने वाली है।'भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की T20I सीरीज 22 अक्टूबर से शुरू होगी। दोनों टीमें इस साल की शुरुआत में हुए T20 वर्ल्ड कप के फाइनल के बाद फिर आमने-सामने होंगी। उस फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीता था। भारतीय टीम आगामी दौरे में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखना चाहेगी।

रोहित की टाइमिंग और धोनी की फिनिशिंग भी लेना चाहेंगे आज वेस्टइंडीज से दूसरा मैच

कोहली का सबकुछ चुराना चाहते हैं : अभिषेक



रांची,एजेंसी

भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा अपने सीनियर विराट कोहली से उनका सबकुछ चुराना चाहते हैं। इतना ही नहीं, वे रोहित शर्मा से टाइमिंग और पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी से फिनिशिंग की स्किल



> अभिषेक ने कहा कि वे क्रिस गेल की तीनों फॉर्मेट में खेलने की मानसिकता अपनाना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि वे ड्वेन ब्रावो के सेलिब्रेशन से काफी प्रभावित होते हैं।

लेना चाहते हैं। दरअसल, अभिषेक से दूसरे टी-20 से पहले भारत और वेस्टइंडीज के दिग्गज खिलाड़ियों की स्किल चुराने पर सवाल पूछा गया। उनसे पूछा गया कि वे किस खिलाड़ी की कौन सी स्किल लेना चाहेंगे।

विराट कोहली का नाम आने पर अभिषेक ने हंसते हुए कहा, 'सबकुछ'। उन्होंने युवराज सिंह की मैच

विराट कोहली पर क्या बोले अभिषेक

विराट कोहली तीनों फॉर्मेट के बेहतरीन बल्लेबाज हैं। वे किसी भी परिस्थिति में ढलकर मैच का रुख बदल सकते हैं। उनके पास टाइमिंग, एक्यूरेसी, धैर्य और आक्रामकता जैसी कई खूबियां हैं। इन्हीं के दम पर उन्होंने 28 हजार से ज्यादा रन बनाए हैं। वहीं, अभिषेक के मेंटर युवराज सिंह रहे हैं। उन्होंने भारत को कई मैच जिताए हैं। 2011 वर्ल्ड कप के फाइनल में धोनी ने 91 रन की पारी खेली थी। युवराज सिंह उस वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। अभिषेक ने रोहित शर्मा की गेंद को टाइम करने की स्किल लेने की इच्छा भी जताई।

जिताने की क्षमता, MS धोनी की मैच फिनिशिंग और रोहित शर्मा की टाइमिंग लेने की इच्छा जताई। कीरोन पोलार्ड का नाम आते ही अभिषेक ने 'पावर' कहा। T20 क्रिकेट में पोलार्ड के नाम 1 हजार से ज्यादा छक्के हैं।अभिषेक ने सुनील नरेन की शानदार इकोनॉमी रेट के साथ गेंदबाजी



दूसरे टी-20 मैच से पहले रांची में प्रैक्टिस करते अभिषेक शर्मा।

करने की स्किल लेने की बात कही। उन्होंने आंद्रे रसेल को कम्पलीट ऑलराउंडर बताया। अभिषेक ने रसेल की इसी स्किल को अपनाने की इच्छा जताई। वैभव सूर्यवंशी के 'सुपरस्टार' बनने पर कपिल देव का बड़ा बयान, कांबली से की तुलना

मनोरंजन

फिर 'बाहुबली' से बनीं पैन-इंडिया स्टार, तमन्ना भाटिया बोलीं- सबसे मुश्किल चीज थी टिके रहना

'पहली फिल्म फ्लॉप, सेट पर 'हीरोइन बदल दो' सुनना पड़ा'

तमन्ना के मुताबिक, साउथ सिनेमा में काम करने से उन्हें फिल्मों में मौके ही नहीं मिले, बल्कि अलग संस्कृति और भाषाओं को समझने का अनुभव भी मिला। बाद में वह तमिल और तेलुगु दोनों भाषाओं में काम करने लगीं।

नई दिल्ली, एजेंसी

मुंबई की एक स्कूल गर्ल ने 13-14 साल की उम्र में फिल्म साइन की थी। शायद उन्हें भी नहीं पता था कि कैमरे के सामने खड़े होने का यह फैसला उन्हें भारतीय सिनेमा की लंबे समय तक टिकने वाली अभिनेत्रियों में शामिल कर देगा। शुरुआत आसान नहीं थी। पहली फिल्म नहीं चली, साउथ में नई भाषा और माहौल से जूझना पड़ा। करियर के शुरुआती दौर में उन्हें एक सीन करने में असहजता जताने पर फिल्म से रिप्लेस कर दिया गया। सेट पर उनके सामने कहा गया- 'हीरोइन बदल



दो।' लेकिन तमन्ना पीछे नहीं हटीं। उन्होंने अपनी सीमा से समझौता नहीं किया और उस घटना को आत्मविश्वास पर हावी नहीं होने दिया। हैप्पी डेज और कल्लूरी से पहचान मिली, अयान और '100 प्रतिशत लव' ने उन्हें मजबूत अभिनेत्री के तौर पर स्थापित किया। 2015 की बाहुबलीः द बिगिनिंग ने उन्हें देशभर के दर्शकों तक पहुंचा दिया।

13 साल की उम्र में साइन की पहली फिल्म

तमन्ना भाटिया का जन्म 21 दिसंबर 1989 को मुंबई में सिंधी मूल के पंजाबी परिवार में हुआ था। उनके पिता संतोष भाटिया डायमंड मर्चेंट हैं। उनकी परवरिश और पढ़ाई-लिखाई मुंबई में हुई। तमन्ना 13 साल की उम्र से पृथ्वी थिएटर से जुड़ गई थीं और स्टेज परफॉर्म किया करती थीं। एक्टिंग के हुनर से उन्होंने कम उम्र में पहचान बना ली थी। 2005 में उन्होंने हिंदी फिल्म 'चांद सा रोशन चेहरा' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। फिल्म साइन करते वक्त उनकी उम्र करीब 13.5 साल थी। प्रमोशन के दौरान वह 15 साल की थीं और दसवीं की परीक्षा की तैयारी कर रही थीं। फिल्म बुरी तरह फ्लॉप हो गई थी। इसके बाद तमन्ना के लिए काम पाना मुश्किल हो रहा था। करियर में बड़े बदलाव के लिए उन्होंने साउथ सिनेमा का रुख किया। डायरेक्टर-प्रोड्यूसर का कहना था- तुम लड़कों जैसे चलती हो। करियर के शुरुआती दिनों के बारे में तमन्ना ने कहा था कि उन्हें इंडस्ट्री में आए ज्यादा समय नहीं हुआ था।



सेट पर मिला सबसे बड़ा झटका- 'हीरोइन बदल दो'

तमन्ना के शुरुआती करियर का सबसे चौंकाने वाला किस्सा वह है, जब कम उम्र में उन्हें एक फिल्म के सेट पर अपनी बात रखने की कीमत चुकानी पड़ी। तमन्ना ने द लल्लनटॉप के 'न्यूजरूम' में बताया था कि वह साउथ के एक बड़े स्टार के साथ फिल्म कर रही थीं। एक सीन को लेकर वह सहज नहीं थीं। उन्होंने साफ कहा कि वह सीन नहीं करना चाहतीं। तमन्ना के मुताबिक, सीन इंटीमेट नहीं था, लेकिन उसमें कुछ ऐसा था जिसे करने में वह सहज महसूस नहीं कर रही थीं।



हिंदी फिल्म नहीं चली तो साउथ में शुरू हुआ असली संघर्ष

2005 में तमन्ना ने तेलुगु फिल्म श्री से साउथ सिनेमा में एंट्री की और 2006 में तमिल फिल्म केडी में नजर आईं। उस समय वह ऐसी इंडस्ट्री में काम कर रही थीं, जिसकी भाषा और संस्कृति उनके लिए नई थी। तमन्ना ने शुरुआती दिनों को याद करते हुए बताया कि उन्हें साउथ इंडियन सिनेमा के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। उन्हें बस एक्टिंग करनी थी। उन्होंने कहा था कि उस समय सफलता की गणना के बजाय उनका ध्यान काम करते रहने और सीखने पर था।

ट्रोलिंग पर कटरीना कैफ का जवाब, डिलीवरी के बाद लुक को लेकर हुईं ट्रोल, सलमान सपोर्ट कर चुके

'दूसरों की सुनेंगे तो आगे नहीं बढ़ पाएंगे'



नई दिल्ली। एक्ट्रेस कटरीना कैफ ने डिलीवरी के बाद लुक को लेकर हुईं ट्रोलिंग पर जवाब दिया है। उन्होंने ट्रोलिंग से अपनी सेल्फ-वर्थ को बचाकर रखने की सलाह दी है। यूके में अपने कॉस्मेटिक ब्रांड की सालगिरह के कार्यक्रम के दौरान कटरीना ने कहा कि दूसरों की बातों पर ध्यान देने से खुद के फैसले लेने की क्षमता प्रभावित होती है।

43 साल की कटरीना ने कहा कि जिंदगी के हर दौर में खुद को स्वीकार करना जरूरी है। दूसरों की सुनते रहेंगे तो जिंदगी में आगे नहीं बढ़ पाएंगे।

कटरीना कैफ का यह बयान उनके पोस्टपार्टम लुक को लेकर सोशल मीडिया पर हुई ट्रोलिंग के एक महीने बाद आया है। हाल ही में मां बनीं कटरीना को अंबानी परिवार के गणेश चतुर्थी उत्सव में उनके बढ़े हुए वजन के लिए सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया था।

गणेश चतुर्थी के दिन कटरीना कैफ अपने पति विक्की कौशल के साथ मुंबई में अंबानी परिवार के आवास 'एंटीलिया' के उत्सव में शामिल हुई थीं। गणेश चतुर्थी के दिन कटरीना कैफ अपने पति विक्की कौशल के साथ मुंबई में अंबानी परिवार के आवास 'एंटीलिया' के उत्सव में शामिल हुई थीं। कटरीना ने आगे बताया कि



'ऑनलाइन चल रही बातों को हावी ना होने दें'

कटरीना कैफ ने कहा कि सोशल मीडिया पर हर किसी की अपनी राय होती है। ऐसे में ऑनलाइन चल रही बातों को अपने आत्मसम्मान पर हावी नहीं होने देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर आप हर इंसान की राय के हिसाब से चलने लगेंगे, तो अपने लिए फैसले लेने की क्षमता खो देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कई बार दुनिया आपका जश्न मनाती है और कई बार आपको खुद ही अपना सबसे बड़ा सपोर्टर बनना पड़ता है।

लगातार दूसरों की बातों पर प्रतिक्रिया देने से इंसान खुद को आगे बढ़ाने में असमर्थ महसूस कर सकता है। उन्होंने कहा कि अगर वे हर आलोचना या टिप्पणी



गणेश चतुर्थी के दिन कटरीना कैफ अपने पति विक्की कौशल के साथ मुंबई में अंबानी परिवार के आवास 'एंटीलिया' के उत्सव में शामिल हुई थीं।

को अपने फैसलों पर हावी होने देतीं, तो जिंदगी में आगे नहीं बढ़ पातीं। उनके मुताबिक, आत्मविश्वास और खुद को देखने का जरिया हमेशा एक जैसा नहीं रहता। कुछ दिन बहुत अच्छे होते हैं और कुछ दिनों में खुद को बेहतर महसूस कराने के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

कटरीना कैफ ने इस बात पर जोर दिया कि इंसान को मौजूदा वक्त में अपनी असल पहचान के साथ रहना चाहिए। व्यक्तिगत सुधार और बदलाव एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है।

स्त्री 3 पर लगी मुहर, सिरकटा के बाद नए भूत से होगा 'विक्की' का सामना!

मुंबई। सितारों के साथ चलने वाली लंबी-चौड़ी टीम को लेकर अक्सर सवाल उठते रहते हैं। हालांकि, कुछ कलाकार हैं जो अपनी टीम का खर्च निर्माताओं पर नहीं थोपते हैं। उनमें अभिनेता राजकुमार राव (Rajkummar Rao) भी हैं। उनके साथ केवल चार लोग ही होते हैं, वह खुद निर्माता भी हैं तो खुद को निर्माता का एक्टर भी मानते हैं।

राजकुमार राव कहते हैं, रमुझे कभी अपनी टीम छोटी करनी ही नहीं पड़ी। मेरे साथ चार लोग ही रहते हैं, जिनमें मेकअप और हेयर के लिए दो लोग, एक असिस्टेंट और एक सिक्योरिटी से होते हैं। पांच साल से यही है। मुझे लगता है कि कलाकार को निर्माता का एक्टर होना चाहिए।

किसी चीज को लेकर जबरदस्ती नहीं करनी चाहिए। अगर आप सेट पर हैं तो इतना तो कर ही सकते हैं कि अपनी या अपनी टीम की कॉफी खुद मंगा लो या कहीं का खाना पसंद है तो खुद ऑर्डर कर लो। इसका भार निर्माता पर



क्यों डालना?

आगामी दिनों में राजकुमार फिल्म 'प्रहार' (Prahaar) में नजर आएंगे। इसके अलावा वह पूर्व क्रिकेटर सौरव गांगुली पर बनी फिल्म 'दादाः द सौरव गांगुली स्टोरी' में मुख्य भूमिका में हैं।

राजकुमार कहते हैं, हमने बहुत सारी बातें की हैं, उनके घर पर फिल्म शूट भी की है, ईडन गार्डन स्टेडियम में भी शूटिंग हुई है। मैंने कोलकाता में उनके साथ बहुत समय बिताया है। उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी मेरे सामने खोलकर रख दी। वह लीजेंड है। अपनी फ्रेंचाइज फिल्म स्त्री 3 (Stree 3) को लेकर राजकुमार ने कहा कि बिल्कुल वह आ रही है। अगले साल शूट शुरू करने की योजना है।

राष्ट्रपति ने जेल भेजने की धमकी दी थी, अब साथ मिलकर एआई के नियम बना रहे

ओबामा के करीबी थे, अब ट्रम्प के खास बने जुकरबर्ग

सुधार

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

मेटा चीफ मार्क जुकरबर्ग कभी अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के करीबी थे। 2021 में फेसबुक और इंस्टाग्राम ने ट्रम्प का अकाउंट बंद कर दिए, तो उन्होंने जुकरबर्ग को जेल भेजने की धमकी दी थी। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं।

ट्रम्प के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद जुकरबर्ग ने ट्रम्प से रिश्ते सुधार लिए हैं। अब जुकरबर्ग का प्रभाव AI यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े फैसलों में भी दिख रहा है। AI सुरक्षा समझौते का मसौदा तैयार करने में उनका बड़ा रोल है। ट्रम्प के दोबारा राष्ट्रपति चुने जाने के बाद जुकरबर्ग ने उनसे रिश्ते सुधारने के लिए कई कदम उठाए। ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह के लिए दानः मेटा ने 10 लाख डॉलर दिए। जुकरबर्ग को समारोह में दूसरे बड़े उद्योगपतियों के साथ प्रमुख जगह मिली। मेटा ने उनके सोशल मीडिया अकाउंट्स पर रोक लगाए जाने से जुड़े मुकदमे को खत्म करने के लिए करीब 2.5 करोड़ डॉलर देने पर सहमति जताई।



2011 में फेसबुक हेडक्वार्टर में हुई एक टाउन हॉल मीटिंग के दौरान पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा मार्क जुकरबर्ग से बातचीत करते हुए।

समझौते का मकसद एआई के लिए मानक तय करना, उन्हें लागू करना और उनकी जांच कराना है। जुकरबर्ग का मानना है कि एआई की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को तकनीकी सुधारों से दूर किया जा सकता है।

जुकरबर्ग ने ट्रम्प से बिगड़े रिश्ते कैसे सुधारे

2021 में अमेरिकी संसद पर हमले के बाद फेसबुक और इंस्टाग्राम ने ट्रम्प के अकाउंट्स पर रोक लगा दी थी। कंपनी को आशंका थी कि ट्रम्प की पोस्ट से हिंसा और बढ़ सकती है। इस फैसले से ट्रम्प नाराज हो गए। उन्होंने जुकरबर्ग पर अपने खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया और उन्हें उम्रकैद तक की धमकी दी। दोनों के रिश्ते सुधरने की शुरुआत जुलाई 2024 में हुई। पेंसिल्वेनिया की एक चुनावी रैली में ट्रम्प पर जानलेवा हमला हुआ। इस घटना के बाद जुकरबर्ग ने कहा कि गोली लगने के बाद ट्रम्प का उठकर हाथ लहराना उनके जीवन में देखी गई सबसे शानदार चीजों में से एक था। जुकरबर्ग की इस तारीफ के कुछ हफ्ते बाद ट्रम्प ने भी उनके प्रति नरम रुख दिखाया। उन्होंने कहा कि अब वे जुकरबर्ग को पहले से ज्यादा पसंद करते हैं।


AI पर हुई बैठक के बाद एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान मार्क जुकरबर्ग ने ट्रम्प के साथ बात की।

ट्रम्प से नजदीकी का जुकरबर्ग को फायदा मिला

ट्रम्प और जुकरबर्ग की बढ़ती नजदीकी का असर सरकारी फैसलों पर भी दिख रहा है। जुकरबर्ग ने एनवीडिया के CEO जेंसन हुआंग के साथ मिलकर AI सुरक्षा समझौते का शुरुआती मसौदा तैयार किया।

पिछले हफ्ते व्हाइट हाउस में ट्रम्प और टेक कंपनियों के प्रमुखों की बैठक में इसे अंतिम रूप दिया गया।

मस्क ने पूछा- स्टारलिंक को भारत में लाइसेंस क्यों नहीं

क्या अंबानी असली बॉस हैं राहुल बोले- वेलकम इलॉन

नई दिल्ली, एजेंसी

इलॉन मस्क ने भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस स्टारलिंक को लाइसेंस नहीं मिलने पर सवाल उठाए हैं।

मस्क ने गुरुवार को X पर लिखा कि स्टारलिंक को दुनिया के 165 से ज्यादा देशों में सेवा देने की मंजूरी मिल चुकी है। कंपनी पिछले पांच साल से भारत सरकार के हर कानून और जरूरी शर्त का पालन कर रही है। इसके बावजूद उसे भारत में लाइसेंस क्यों नहीं मिला है? क्या अंबानी देश के रियल बॉस हैं?

मस्क के सवाल पर राहुल गांधी ने जवाब देते हुए X पर लिखा- भारत में आपका स्वागत है, इलॉन। दूसरे शख्स के मिलने तक इंतजार कीजिए। राहुल गांधी के जवाब पर इलॉन ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा- धन्यवाद, राहुल। यह वाकई परेशान करने वाला है। राहुल गांधी का 'द अदर गाय' से इशारा उद्योगपति गौतम अडाणी की तरफ माना जा रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि वे अक्सर नरेंद्र मोदी सरकार, अडाणी और अंबानी पर सांठगांठ का आरोप लगाते रहते हैं। मस्क इससे पहले भी आरोप लगा चुके हैं कि भारत में कुछ बड़े कारोबारी स्टारलिंक की एंट्री रोककर बाजार पर अपना दबदबा बनाए रखना चाहते हैं। हालांकि, केंद्र सरकार ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है। इलॉन मस्क ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारत के कुछ बड़े बिजनेसमैन नहीं चाहते कि स्टारलिंक का सैटेलाइट इंटरनेट भारत आए, ताकि उनका एकछत्र राज बना रहे।



फास्ट न्यूज

लगातार 9 हफ्ते गिरने के बाद सेंसेक्स 1000 अंक चढ़ा

मुंबई । शेयर बाजार में आज यानी 9 अक्टूबर को तेजी है। सेंसेक्स करीब 1000 अंक चढ़कर 72,550 पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी 300 अंक की तेजी है, ये 22,550 के पार पहुंच गया है। लगातार 9 हफ्ते गिरने के बाद, इस हफ्ते में आज बाजार में यह तेजी आई है। इससे एक दिन पहले सेंसेक्स 1,000 अंक गिरा था। आज आईटी और FMCG शेयर्स में सबसे ज्यादा खरीदारी है।

ट्रम्प ने टाटा-विप्रो को ग्रीन कार्ड प्रोग्राम से सस्पेंड किया

वॉशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन ने गुरुवार को 8 बड़ी आईटी कंपनियों को ग्रीन कार्ड प्रोग्राम से सस्पेंड कर दिया है। इनमें भारत की चार कंपनियां टाटा, इंफोसिस, विप्रो और HCL हैं। इनके अलावा माइक्रोसॉफ्ट, एडोबी, कॉग्निजेंट और कैपजेमिनी पर भी यह रोक लगाई गई है। इस फैसले के बाद ये कंपनियां अब अपने कर्मचारियों के लिए परमानेंट लेबर सर्टिफिकेशन PERM का आवेदन नहीं कर सकेंगी। इसी प्रक्रिया के जरिए कंपनियां H-1B वीजा पर काम कर रहे विदेशी कर्मचारियों को अमेरिका में पक्के तौर पर बसाने के लिए अर्जी लगाती हैं।

ट्रंप के 'अमेरिका फर्स्ट' दावे की निकली हवा

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस में अमेरिकी टेक्नोलॉजी की महानता का जश्न मनाते हुए एक दिलचस्प नजारा देखने को मिला। राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने देश के सर्वोच्च विज्ञान और प्रौद्योगिकी सम्मान के लिए 6 टेक्नोलॉजी दिग्गजों को नवाजा। हालांकि इस समारोह में सम्मान पाने वाले 6 वैज्ञानिकों में से 5 अमेरिका के बाहर के रहने वाले थे। इस पूरी सूची में एकमात्र अपवाद डेल टेक्नोलॉजीज के संस्थापक माइकल डेल थे।

सोना आज 2 हजार रुपए महंगा, डेढ़ लाख पार हुआ

चांदी 4 हजार चढ़कर 2.21 लाख पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी की कीमतों में आज 9 अक्टूबर को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,968 रुपए चढ़कर 1.50 लाख रुपए पहुंच गया है।

इससे पहले 8 अक्टूबर को यह 1.48 लाख रुपए पर था। वहीं, एक किलो चांदी 4,064 रुपए चढ़कर 2.21 लाख रुपए पर हो गई है, जो गुरुवार को 2.17 लाख रुपए पर थी। ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटीः एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं।

खरीदारी की मात्राः दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं, लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है। लोकल ज्वेलरी एसोसिएशनः राज्य और शहर के ज्वेलरी एसोसिएशन स्थानीय मांग-सप्लाई के आधार पर रेट तय करते हैं।



पुराना स्टॉक और खरीद मूल्यः ज्वेलर्स का खरीदी रेट तय करता है कि वे ग्राहकों को कितनी कीमत में बेचेंगे। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 16,415 रुपए महंगा हो चुका है। वहीं, चांदी 9,250 रुपए सस्ती हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.50 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

16 साल पहले जहां 13 लोगों की जान ली, दोषी को वहीं गोली मारी जाएगी

अमेरिका में पहली बार सजा ए-मौत टीवी पर लाइव होगी

टेक्सास, एजेंसी

अमेरिका में पहली बार मौत की सजा को लाइव टीवी पर दिखाया जाएगा। पूर्व आर्मी मेजर निदाल हसन को गोली मारकर मौत की सजा दी जाएगी।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा है कि इस सजा का लाइव टेलिकास्ट किया जाएगा, ताकि आम लोग इसे देख सकें। BBC के मुताबिक, 100 साल में यह अमेरिका में पहली सार्वजनिक तौर पर दी गई मौत की सजा होगी।

हसन ने 2009 में टेक्सास के सैन्य अड्डे पर धार्मिक नारा लगाते हुए गोलीबारी की थी, जिसमें 13 सैनिकों की मौत हो गई थी। अब 3 दिसंबर को यहीं मौत की सजा दी जाएगी। 1961 के बाद अमेरिकी सैन्य न्याय व्यवस्था के तहत मौत की सजा पाने वाला निदाल हसन पहला व्यक्ति होगा। सैन्य व्यवस्था में आखिरी बार प्राइवेट जॉन ए. बेनेट को मौत की सजा दी गई थी। हेगसेथ ने एक इंटरव्यू में कहा कि हसन को सैनिकों की एक टुकड़ी गोली मारकर मौत की सजा देगी।


निदाल हसन पर 13 लोगों की हत्या करने और 31 लोगों को घायल करने का आरोप है।



हमले के बाद माना था- जिहाद के लिए किया

5 नवंबर 2009 को सेना के मनोचिकित्सक मेजर निदाल हसन निजी पिस्तौल लेकर फोर्ट हुड सैन्य अड्डे पहुंचा और सैनिकों व अन्य लोगों पर अचानक गोलीबारी कर दी। यह अमेरिकी सैन्य अड्डे पर हुई सबसे घातक सामूहिक गोलीबारी थी। उस समय अमेरिका अफगानिस्तान और इराक में युद्ध लड़ रहा था। हसन ने बाद में कहा कि वह इन युद्धों को गैरकानूनी और अनैतिक मानता था और जिहाद के लिए हमला किया था।

गोलीबारी में हसन भी घायल हुआ और कमर के नीचे से लकवाग्रस्त हो गया। सैन्य अदालत में उसने हत्याओं की बात स्वीकार की। 2013 में उसे पहले से हत्या की योजना बनाने और हत्या की कोशिश के कुल 45 मामलों में दोषी ठहराया गया। हसन ने हमले पर कोई पछतावा नहीं जताया। सैन्य मानसिक स्वास्थ्य पैनल के सामने उसने कहा कि वह चाहता था कि हमले में उसकी भी मौत हो जाती, ताकि वह शहीद बन सके। उसका यह तक कहा कि मौत की सजा मिलने पर भी वह खुद को शहीद मानेगा।

मिडटर्म चुनाव में ट्रम्प को हार का डर, 2024 में 65% ने विपक्ष को वोट दिया था

2 लाख भारतवंशी वोटर्स के नाम अमेरिका में कटे

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका की वोटर लिस्ट से 2 लाख भारतीय मूल के वोटर्स का नाम कट गया है। इन लोगों के नाम उन 26 राज्यों में काटे गए हैं, जहां ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी की सरकार है।

अमेरिका में करीब 21 लाख भारतवंशी वोटर्स हैं। 3 नवंबर को मिडटर्म चुनाव होने हैं। इन चुनावों में ट्रम्प की पार्टी को हार का डर सता रहा है। इसकी एक वजह भारतीय मूल के वोटरों का रुझान है, जो हमेशा से उनकी विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर रहा है।

2024 के राष्ट्रपति चुनाव में करीब 65% भारतीय मूल के लोगों ने डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस को वोट दिया था। ट्रम्प के खिलाफ उनकी अपनी रिपब्लिकन पार्टी में बगावत के संकेत दिखने लगे हैं। ट्रम्प की लोकप्रियता घट रही है। पार्टी नेताओं को डर है कि मिडटर्म चुनाव में ट्रम्प का साथ उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है।

नवंबर में होने वाले चुनाव से पहले कई रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रम्प से दूरी बना रहे हैं। कुछ ने अपनी चुनावी वेबसाइट से ट्रम्प और उनके 'अमेरिका फर्स्ट' एजेंडे का जिक्र हटा दिया है।



वोटर लिस्ट की जांच क्यों हो रही

अमेरिका में ट्रम्प प्रशासन वोटर लिस्ट की जांच कर रहा है, ताकि अयोग्य वोटर्स के नाम हटाए जा सकें। सरकार का कहना है कि इससे चुनाव में गड़बड़ी रोकने और वोटिंग प्रक्रिया को ज्यादा सुरक्षित बनाने में मदद मिलेगी। इसी मकसद से ट्रम्प 'सेव अमेरिका एक्ट' का समर्थन कर रहे हैं। फरवरी में अमेरिकी संसद के निचले सदन ने इस बिल को मंजूरी दी थी। इसके तहत वोटर के तौर पर रजिस्ट्रेशन कराने वालों को अमेरिकी नागरिकता साबित करने के लिए जन्म प्रमाण पत्र या पासपोर्ट जैसे दस्तावेज देने होंगे।

वोट डालने के लिए पहचान पत्र दिखाने के नियम भी सख्त किए जाएंगे। ये नियम मतदान केंद्र पर और डाक से वोट डालने, दोनों पर लागू होंगे। ट्रम्प चुनाव में बड़े पैमाने पर धांधली होने के दावा करते रहे हैं। हालांकि, इन दावों के समर्थन में ठोस सबूत नहीं मिले हैं। ब्रेनन सेंटर फॉर जस्टिस की एक रिसर्च में भी जांच किए गए चुनावों में धांधली के मामले बेहद कम पाए गए।

भारतवंशी नवनीतम पिल्लै को शांति का नोबेल पुरस्कार

दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद के खिलाफ लड़ने वालों की मदद की

ओस्लो, एजेंसी

नॉर्वे की नोबेल समिति ने 2026 का नोबेल शांति पुरस्कार भारतवंशी नवनीतम नावी पिल्लै को देने का ऐलान किया है। उन्हें शांति और अंतरराष्ट्रीय कानून को मजबूत करने के लिए यह सम्मान दिया जाएगा। दक्षिण अफ्रीका में जन्मीं पिल्लै ने रंगभेद के खिलाफ लड़ने वाले नेल्सन मंडेला समेत कई लोगों का कानूनी बचाव किया था। उन्होंने युद्ध अपराध और नरसंहार के दोषियों को सजा दिलाने की दिशा में भी अहम काम किया है।

नोबेल के बाकी पुरस्कार स्वीडन में दिए जाते हैं, लेकिन शांति का नोबेल नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में दिया जाता है। इसकी वजह करीब 130 साल पुरानी है। यह व्यवस्था खुद अल्फ्रेड नोबेल ने अपनी वसीयत में तय की थी।



1895 में लिखी अपनी वसीयत में नोबेल ने तय किया था कि शांति पुरस्कार का फैसला नॉर्वे की संसद द्वारा चुनी गई समिति करेगी। उस समय स्वीडन और नॉर्वे एक ही राजा के अधीन थे, हालांकि दोनों की अपनी संसद और अलग राजनीतिक व्यवस्था थी। नोबेल ने यह नहीं बताया था कि शांति पुरस्कार के लिए उन्होंने नॉर्वे को ही क्यों चुना।

नोबेल की 1896 में मौत हुई और 1901 से पुरस्कार दिए जाने लगे। उस समय स्वीडन और नॉर्वे एक संघ में थे।

1905 में दोनों देश अलग हो गए, लेकिन नोबेल की वसीयत में शांति पुरस्कार के लिए नॉर्वे को दी गई जिम्मेदारी जारी रही। इसी वजह से आज भी फिजिक्स, केमिस्ट्री, मेडिसिन, साहित्य और अर्थशास्त्र के नोबेल स्वीडन में, जबकि शांति का नोबेल नॉर्वे में दिया जाता है।

सामना : 76 साल में सबसे ज्यादा गर्म समुद्र, बाढ़-सूखा और बीमारियों का खतरा

सुपर-डुपर अल नीनो से पूरी धरती लाल

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया इस समय बेहद ताकतवर अल नीनो का सामना कर रही है। प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समुद्र का तापमान सामान्य से 3.4C ज्यादा हो गया है। यह 1950 के बाद का सबसे खतरनाक अल नीनो बताया जा रहा है। मौसम विशेषज्ञ इसे 'सुपर-डुपर अल नीनो' कह रहे हैं। इससे दुनिया के कई हिस्सों में ज्यादा गर्मी, सूखा या भारी बारिश हो सकती है।

शिकागो यूनिवर्सिटी के क्लाइमेट इम्पैक्ट लैब के शोधकर्ताओं के मुताबिक, इस अल नीनो से जून 2026 से फरवरी 2027 के बीच दुनियाभर में करीब 4.51 लाख अतिरिक्त मौतें हो सकती हैं।



अल नीनो का मतलब सिर्फ समुद्र का गर्म होना नहीं है। यह प्रशांत महासागर में होने वाली खास प्राकृतिक प्रक्रिया है। सामान्य स्थिति में प्रशांत महासागर की हवाएं पूर्व से पश्चिम की ओर चलती हैं और गर्म पानी को इंडोनेशिया-ऑस्ट्रेलिया की तरफ धकेलती हैं। अल नीनो के दौरान ये हवाएं कमजोर पड़ जाती हैं। इससे पश्चिम में जमा गर्म पानी पूर्व की तरफ फैलने लगता है और प्रशांत महासागर का मध्य और पूर्वी हिस्सा सामान्य से ज्यादा गर्म हो जाता है। दूसरे महासागरों में भी तापमान बदलता है, लेकिन वहां हवाओं और समुद्र के पानी की ऐसी खास व्यवस्था नहीं होती, इसलिए उसे अल नीनो नहीं कहा जाता।

दिसंबर में पीक पर रहेगा अल नीनो

इस साल अल नीनो दिसंबर में अपने चरम पर पहुंच सकता है। इसके असर से आने वाले महीनों में दुनिया के बड़े हिस्से में सामान्य से ज्यादा तापमान रहने की आशंका है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) ने बारिश का पैटर्न बदलने से कई इलाकों में सूखा और बाढ़ का खतरा बढ़ने की चेतावनी दी है। WMO के मुताबिक, अक्टूबर से दिसंबर के बीच इसका असर उत्तरी गोलार्ध में 2027 के वसंत तक बना रह सकता है। संगठन ने फरवरी 2027 तक इसके जारी रहने की करीब 100% संभावना जताई है। ज्यादा गर्मी से हीट स्ट्रोक और दूसरी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। वहीं बारिश का पैटर्न बिगड़ने से कहीं पानी की कमी तो कहीं बाढ़ जैसी स्थिति बन सकती है।

अल नीनो का असर भारत में भी दिखाई दे रहा है। 2026 का दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य से 13% कम बारिश के साथ खत्म हुआ। यह 2001 के बाद भारत का चौथा सबसे सूखा मानसून रहा। मानसून के दूसरे हिस्से में अल नीनो का असर भी देखा गया।

अल नीनो से तापमान बढ़ने का असर यूरोप में भी दिखा। फ्रांस, स्पेन और ब्रिटेन में इस साल कई जगह रिकॉर्ड गर्मी पड़ी। कम बारिश से डेन्यूब, राइन और टेम्स जैसी प्रमुख नदियों का जलस्तर भी काफी नीचे चला गया।

तिमाही नतीजों से टीसीएस का शेयर 5% चढ़ा 13,884 करोड़ रहा मुनाफा मिले 90 हजार करोड़ रुपए के ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी

आईटी सर्विसेज कंपनी TCS के दूसरी तिमाही के नतीजों के बाद आज शुक्रवार 9 अक्टूबर को इसके शेयरों में 5% से ज्यादा की तेजी है। ये आज 2170 रुपए पर कारोबार कर रहा है। कंपनी ने 12 रुपए प्रति शेयर का दूसरा अंतरिम डिविडेंड देने का ऐलान किया है।

दूसरी तिमाही में TCS का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 15% बढ़कर 13,884 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी को 12,075 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था।

कंपनी का ऑपरेशंस से रेवेन्यू सालाना आधार पर 11% बढ़कर 73,188 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले साल की इसी अवधि में 65,799 करोड़ रुपए था। वहीं, कॉन्स्टेंट करेंसी के आधार पर रेवेन्यू में पिछली तिमाही के मुकाबले 0.5% की मामूली बढ़त दर्ज की गई। 'कॉन्स्टेंट करेंसी' के आधार पर रेवेन्यू का मतलब है कि विदेशी मुद्रा जैसे डॉलर, पौंड, यूरो आदि के उतार-चढ़ाव के असर को हटाकर तुलना की गई है। चूंकि टीसीएस एक अंतरराष्ट्रीय कंपनी है। यह अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोप जैसे देशों से कमाई करती है। इसलिए, जब डॉलर या यूरो की कीमत रुपए के मुकाबले बदलती है, तो बिना कोई नया काम किए भी कंपनी की कमाई कम या ज्यादा दिखने लगती है। TCS का एआई रेवेन्यू 3.1 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो कंपनी के कुल रेवेन्यू का 10% से अधिक हिस्सा बन चुका है।



तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96